सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"सरल रहिए ताकि सब आपसे हिलमिल सके,
तरल रहिए ताकि, आप सबमें घुलमिल सके"...!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–74 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 04 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

युद्ध की आंच छत्तीसगढ़ तक : फल उत्पादकों पर पांच सौ करोड़ की मार, मंडियों में औंधे मुंह गिरे दाम

निर्यात ठप, तरबूज–खरबूज और केला स्थानीय बाजार में अटका, किसान बेहाल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था पर भी साफ दिखाई देने लगा है। अंतरराष्ट्रीय हालात के चलते निर्यात पूरी तरह ठप हो गया है, जिसका सीधा असर प्रदेश के फल उत्पादकों और व्यापारियों पर पड़ा है। अनुमान है कि इस संकट से राज्य के किसानों और व्यापारियों को अब तक पांच सौ करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है।

दुर्ग–भिलाई और रायपुर की प्रमुख फल मंडियों में इन दिनों हालात चिंताजनक हैं। जो फल पिछले साल तक अच्छे दामों पर बिक रहे थे, वे इस बार आधे से भी कम कीमत में बेचे जा रहे हैं। तरबूज, खरबूज और केले की कीमतों में भारी गिरावट से किसान आर्थिक संकट में घिर गए हैं।

निर्यात बंद, मंडियों में अटका माल

प्रदेश से हर साल बड़ी मात्रा में तरबूज, खरबूज और केले का निर्यात समुद्री मार्ग से होता रहा है। मुंबई और विशाखापत्तनम पोर्ट के जरिए यह फल संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ओमान और ईरान जैसे देशों में भेजे जाते थे। लेकिन वर्तमान अंतरराष्ट्रीय तनाव के चलते यह पूरा निर्यात तंत्र ठप हो गया है। परिणामस्वरूप

अब यह पूरा माल स्थानीय मंडियों में ही खपाना पड़ रहा है।

हजारों एकड़ में हुई खेती, अब संकट

किसानों के अनुसार इस वर्ष प्रदेश में 10 से 15 हजार एकड़ नदी क्षेत्र में तरबूज और खरबूज की खेती की गई है। दुर्ग, बालोद, रायपुर, राजनांदगांव, बेमेतरा, गरियाबंद, महासमुंद, बलौदाबाजार, जांजगीर–चांपा और सारंगढ़ सहित कई जिलों में बड़े पैमाने पर उत्पादन हुआ है। लेकिन निर्यात बंद होने से अब इन फलों की खपत एक बड़ी चुनौती बन गई है।

सरकारी हस्तक्षेप की मांग

किसानों और व्यापारियों ने सरकार से तत्काल राहत और वैकल्पिक बाजार की व्यवस्था की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो हजारों किसान कर्ज और घाटे के दलदल में फंस जाएंगे। पश्चिम एशिया का यह संकट अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसकी आंच छत्तीसगढ़ के खेत–खलिहानों तक पहुंच चुकी है, जहां किसान अपनी मेहनत का उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

केले के दामों में भारी गिरावट

केला उत्पादक किसानों की स्थिति और भी खराब है। दुर्ग जिले के किसान अनिल चौहान और मनोज कुमार के मुताबिक, अविभाजित दुर्ग जिले से हर साल करीब एक लाख टन केले का निर्यात होता था। पिछले वर्ष 2025 में केला 30 से 40 रुपये प्रति किलो थोक में बिकता था, लेकिन इस बार यह घटकर मात्र 8 से 12 रुपये प्रति किलो रह गया है।

किसानों का कहना है कि पहले कतर, ओमान, ईरान और दुबई जैसे देशों में कमीशन एजेंट के माध्यम से निर्यात होता था, लेकिन इस बार एजेंट ही नहीं पहुंच रहे हैं। मजबूरी में किसानों को स्थानीय बाजार में ही माल खपाना पड़ रहा है, जहां मांग सीमित है और कीमतें लगातार गिर रही हैं।

सांसद संतोष पांडे ने गृहमंत्री अमित शाह से की मुलाकात, नक्सल मुक्त होने पर दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडे ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के नक्सल मुक्त होने पर गृहमंत्री को बधाई देते हुए केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

सांसद पांडे ने कहा कि केंद्र सरकार के प्रभावी नेतृत्व, मजबूत रणनीति और सुरक्षा बलों के साहसिक प्रयासों के चलते नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति स्थापित हुई है और विकास के नए अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने बताया कि अब क्षेत्र में आमजन का विश्वास बढ़ा है और जनजीवन सामान्य हो रहा है। मुलाकात के दौरान सांसद ने अपने संसदीय क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों और आवश्यकताओं पर भी विस्तार से चर्चा की। साथ ही आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए केंद्र से निरंतर सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार के सहयोग से क्षेत्र में विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

बीएसपी प्लेट मिल ने वित्तीय वर्ष में रचा इतिहास, रिकॉर्ड प्रदर्शन से स्थापित किए नए मानक

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 6,37,118 टन का अब तक का सर्वाधिक डायरेक्ट डिस्पैच

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल– भिलाई इस्पात संयंत्र की प्लेट मिल ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की। वित्तीय वर्ष 2025–26 में उत्पादन, डिस्पैच तथा परिचालन दक्षता के विभिन्न प्रमुख मानकों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज कर प्लेट मिल ने संयंत्र की समग्र उत्पादन क्षमता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

वार्षिक प्रदर्शन के अंतर्गत प्लेट मिल ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में 6,37,118 टन का अब तक का सर्वाधिक डायरेक्ट डिस्पैच हासिल किया, जो वित्तीय वर्ष 2022–23 के 5,97,455 टन के पिछले रिकॉर्ड को पार करता है। यह उपलब्धि परिचालन उत्कृष्टता, प्रभावी समन्वय तथा टीम वर्क का सशक्त उदाहरण है।

मार्च 2026 के दौरान प्लेट मिल ने 1,46,554 टन रोल्ड एवं फिनिश्ड प्लेट्स का अब तक का सर्वाधिक उत्पादन दर्ज किया, जो इससे पूर्व मार्च 2014 में प्राप्त 1,39,538 टन के रिकॉर्ड से अधिक है। इसी क्रम में कुल फिनिश्ड प्लेट्स उत्पादन में भी 1,34,042 टन के नया रिकॉर्ड बना, जिसने मार्च 2014 के 1,26,920 टन के पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

डिस्पैच के क्षेत्र में भी प्लेट मिल ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए मार्च 2026 में 1,36,020 टन का सर्वाधिक मासिक कुल डिस्पैच दर्ज किया, जो मार्च 2011 के 1,28,445 टन के पिछले रिकॉर्ड से अधिक है। लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई, जहाँ सड़क मार्ग से डिस्पैच 16,368 टन तक पहुँच गया, जो फरवरी 2026 के 12,174 टन के पूर्व उच्चतम स्तर से कहीं अधिक है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर संयंत्र के वरिष्ठ प्रबंधन ने प्लेट मिल के समस्त अधिकारियों, कमर्चारियों एवं संबंधित हितधारकों को हार्दिक बधाई दी तथा उनके समर्पण एवं उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह उपलब्धियाँ भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा का कार्य करेंगी तथा संयंत्र को नई सफलताओं की ओर अग्रसर करेंगी।

आम आदमी पार्टी के नेता जसप्रीत सिंह ने शिक्षा मंत्री को लिखा पत्र

अवैध वसूली और सिंडीकेट के खिलाफ आप ने खोला मोर्चा, जिला शिक्षा अधिकारियों की भूमिका पर उठाए सवाल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई–रायपुर

दुर्ग जिले में निजी स्कूलों द्वारा शिक्षा के नाम पर की जा रही 'अवैध वसूली' और 'सिंडिकेट' के खिलाफ आम आदमी पार्टी के नेता जसप्रीत सिंह ने मोर्चा खोल दिया है। कलेक्टर को शिकायत सौंपने के बाद, अब उन्होंने सीधे शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन को पत्र लिखकर इस पूरे नेक्सस की जांच करने और अभिभावकों को राहत दिलाने की मांग की है।

अभिभावकों की जेब पर डकैती : जसप्रीत सिंह

जसप्रीत सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि भिलाई और दुर्ग के नामी स्कूल (डीपीएस, शंकरा सेक्टर–10, माइलस्टोन, निमर्ला रानी खुर्सीपार, डीएवी, केपीएस नेहरू नगर आदि) एक सोची–समझी रणनीति के तहत अभिभावकों को आर्थिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। उन्होंने मुख्य रूप से निम्नलिखित मुद्दों को उठाया है।

पुस्तकों का एकाधिकार: स्कूल प्रबंधन और चुनिंदा बुक डिपो के बीच साठगांठ है, जिससे अभिभावकों को महंगे दामों पर एक ही दुकान से किट खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है।

प्रकाशकों का खेल: हर साल जानबूझकर पब्लिशर बदल दिए जाते हैं ताकि पुरानी किताबों का उपयोग न हो सके और नया कमीशन सेट हो सके।

एनसीईआरटी की अनदेखी: कम कीमत वाली सरकारी किताबों

के बजाय भारी कमीशन वाली निजी पब्लिकेशन की किताबें थोपी जा रही हैं।

मनमाना बस किराया: परिवहन शुल्क में कोई पारदर्शिता नहीं है और अलग–अलग स्कूलों के किराए में जमीन–आसमान का अंतर है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर सवाल

जसप्रीत सिंह ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की मौन स्वीकृति के बिना यह भ्रष्टाचार संभव नहीं है। उन्होंने शिक्षा मंत्री से मांग की है कि दुर्ग जिला शिक्षा अधिकारी की भूमिका की भी जांच की जाए कि कहीं वे इन स्कूलों के साथ मिले हुए तो नहीं हैं।

जांच समिति में शामिल होने की इच्छा

पत्र के अंत में जसप्रीत सिंह ने मांग की है कि: स्कूलों को अपना सिलेबस 3 महीने पहले सार्वजनिक करने का आदेश दिया जाए।

कक्षा 1 से 8 तक एनसीईआरटी की किताबें अनिवार्य की जाएं। भ्रष्ट स्कूलों और अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई हो।

जसप्रीत सिंह ने शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए बनाई जाने वाली किसी भी जांच समिति में स्वयं को शामिल करने का प्रस्ताव भी रखा है, ताकि जमीनी स्तर की अनियमितताओं को उजागर किया जा सके और शिक्षा को व्यापार बनने से रोका जा सके।

जिला लोधी समाज ने मासूम बालिका को दी श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिला लोधी समाज के व्दारा मृतिका देवीका के ग्राम चिचोला पहुंचकर मासूम बालिका देविका वर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और परिवार जनो से मुलाकात कर ढांढसा बंधाया,कहा लोधी समाज हमेशा आपके और आपके पूरे परिवार के साथ खडा है। गुरुवार 2 अप्रैल को सुबह जिला लोधी समाज के अध्यक्ष उत्तम जघेल एवं कोमल जघेल सहित जिला पदाधिकारी और पडांदाह सर्किल अध्यक्ष बालमुकुंद वर्मा, भुवन वर्मा , गोरेलाल वर्मा, संजय वर्मा , बिसराम वर्मा , रेवा वर्मा, पुरूषोत्तम वर्मा,, देवेश वर्मा ज्वाला प्रसाद वर्मा, अर्जुन कुमार वर्मा, रविन्द्र वर्मा एवं सभी सामाजिक पदाधिकारी व ग्रामवासी की उपस्थिति में सुबह 09 बजे अवंती चौक चिचोला में एकत्रित कोकर 14 वर्षिय बालिका कु देविका वर्मा पिता शैलेन्द्र कुमार वर्मा निवासी चिचोला की निरबर्ता पुर्वक हत्या किया गया।

जिसके लिए सभी सामाजिक बन्धुओं के द्वारा शोक सभा आयोजित किया गया था । अवंति चौंक चिचोला में तत्पश्चात परिजनों के घर जाकर कु देविका के तैल चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित किया एवं बेटी को न्याय दिलाने हेतु हर परिस्थिति में समाज उनके परिवार के साथ खड़े होने का आश्वासन दिए।

लायसेंस आवास लेने बीएसपी अफसरों को 10 लाख करना होगा जमा

भिलाई। ई. क्यू. – 1 (केवल सी 3 टाइप) / एन क्यू–4 (रूआबांधा सेक्टर) के चिन्हित एवं सूचीबद्ध आवास लायसेंस योजना के तहत 11 माह की अवधि के लिए एक बार आवंटन के लिए नगर सेवाएं विभाग ने आवेदन आमंत्रित किया है। सुरक्षा निधि के रूप में सी –3 टाइप के लिए 10 लाख रु. एवं एनक्यू–4 श्रेणी रुआंबांधा सेक्टर के लिए 8 लाख रु. सहित 11 माह की किराया राशि एडवांस में जमा करनी होगी। अफसरों को 3600 रु. और कमिर्यों को 1800 रु. प्रतिमाह किराया देना होगा।

20 साल कैद के बाद बूढ़े अंधे छोटू वन भैंसा को जंगल में छोड़ने की तैयारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

20 साल कैद में रखने के बाद अब वन विभाग ने निर्णय लिया है कि उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में बाड़े में रखे बूढ़े और अंधे छोटू वन भैंसा को असम की तीन मादा वन भैंसों के साथ जंगल में रेडियो कॉलर लगाकर छोड़ेंगे। इस बाबत 12 जनवरी 2026 को अधिकारियों की बैठक के पश्चात इसका प्रस्ताव मुख्यालय पहुंच गया है।

क्या है मोड ऑफ ऑपरेशन?

छत्तीसगढ़ वन विभाग के पांच अधिकारियों और एक एनजीओ (फील्ड डायरेक्टर उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व, डीएफओ बलौदा बाजार, डिप्टी डायरेक्टर उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व, जंगल सफारी के डॉक्टर, कानन पेंडारी के डॉक्टर और एक एनजीओ) की कमेटी ने मुख्यालय को मोड ऑफ ऑपरेशन प्रेषित कर बताया है कि असम से लाई गई वन भैंसें, जो बारनवापारा अभ्यारण में रखी गई हैं, उन्हें उदंती अभ्यारण में लाया जाएगा। 45 दिन बाड़े में रखने के बाद छोटू के साथ जंगल में रेडियो कॉलर लगाकर सॉफ्ट रिलीज किया जाएगा। उद्देश्य छोटू से मादा वन भैंसों का प्रजनन कराकर संख्या बढ़ाना है।

क्या है छोटू का इतिहास?

अनुसूची–एक के संरक्षित वन भैंसा छोटू का जन्म वर्ष 2002 में हुआ था। 4 साल वह स्वच्छंद जंगल में विचरण करता रहा। इसके बाद 2006 में वन विभाग ने बिना किसी आधिकारिक आदेश के उसे बाड़े में कैद करके रख दिया। तब से कुछ साल पहले तक छोटू से कई बच्चे पैदा हुए, जिन्हें हाल ही में वन विभाग ने हाइब्रिड या क्रॉसब्रीड कहकर उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व से बाहर कर दिया है। 12 जनवरी 2026 की बैठक में भी इस बात का उल्लेख है कि हाइब्रिड वन भैंसों को उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व से बाहर रिलोकेट कर दिया गया है। छोटू 25 साल का हो गया है और उम्र के अंतिम पड़ाव में है। जानकारों को शंका है कि बढ़ी उम्र के कारण उससे प्रजनन संभव नहीं हो सकेगा। 2023 की वाइल्डलाइफ इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट में दर्ज है कि छोटू के केयरटेकर ने बताया कि कुछ साल पहले मैटिंग का प्रयत्न करवाया गया था परन्तु मैटिंग असफल रही।

क्या छोटू अब जंगल में स्वच्छंद विचरण कर पाएगा?

6 अगस्त 2025 को वन भैंसा की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में यह उल्लेखित है कि छोटू वन भैंसा अंधा है। वन विभाग उसे आहार भी देता है वह बाड़े में रहने का आदी हो गया है। ऐसे में अब अगर उसे स्वच्छंद विचरण के लिए जंगल में छोड़ दिया जाएगा, तो क्या वह स्वच्छंद विचरण करेगा या मर जाएगा? जानकारों के अनुसार, अगर छोटू को बाड़े से बाहर छोड़ भी दिया जाए, तो वह अंधा होने के कारण जंगल में नहीं जा पाएगा और आहार के लिए बाड़े के आसपास ही घूमता रहेगा।

क्या होगा मादा वन भैंसों का?

जैसा कि विषय विशेषज्ञों द्वारा संभावना व्यक्त की जा रही है, छोटू बाड़े के आसपास ही रहेगा, परंतु बारनवापारा से लाई जाने वाली मादा वन भैंसें जंगल में विचरण करते हुए दूर चली जाएंगी। तब छोटू से प्रजनन असंभव हो जाएगा और पालतू भैंसों से प्रजनन की संभावना बनी रहेगी। उदंती सीतानदी में कुछ–कुछ अंतराल में बाघ का आना–जाना लगा रहता है, वन भैंसा बड़े झुंड में रहता है, जिससे संकट के समय वे एक–दूसरे की रक्षा करते हैं। परंतु तीन मादा वन भैंसों, जिसमें से शावक है, के छोटे झुण्ड का जीवन खतरे में रहेगा।

उदंती अभ्यारण बना राजकीय पशु वन भैसों की प्रयोगशाला : जानकारी देते हुए रायपुर निवासी नितिन सिंघवी ने बताया कि वन विभाग 20 साल से नए–नए प्रयोग कर रहा है। 2006 में भैंस बाड़ा बनाया, उसमें छोटू को पकड़ कर रख दिया। फिर आशा नामक हाइब्रिड वन भैंसा को ग्रामीण से जबरदस्ती करके लाया गया, उससे कई बच्चे पैदा करवाए। 2014 में दीप आशा को क्लोनिंग कराकर पैदा कराया, जो मुर्रा भैंसा निकल गई। वर्षो से वह रायपुर के जंगल सफारी जू में कैद है। 2018 में रम्भा और मेनका हाइब्रिड वन भैंसा को खरीद कर लाया गया, उनसे भी कई हाइब्रिड बच्चे पैदा करवाए, जिन पर करोड़ों खर्च किए, और सभी को कई साल कैद रखा। बाद में सभी को उदंती सीतानदी में विचरण करने के लिए छोड़ दिया और अब टाइगर रिजर्व के बाहर इतनी दूर रिलोकेट कर दिया कि वे वापस नहीं आ पाए। छोटू का वीर्य निकालने के लिए एक लाख का शूट भी लगवाया, वह भी फेल रहा। सिंघवी ने पूछा, क्या यह वन भैंसा प्रयोगशाला नहीं है?

2030 तक हर साल लायेंगे दस वन भैसे असम से, परन्तु क्या बारनवापारा के बचे वन भैसे कैद में ही रहेंगे : सिंघवी ने बताया कि प्रस्ताव में उल्लेख है कि 2026 से 2030 तक हर साल आठ मादा और दो नर वन भैंसा असम से लाकर उन्हें 45 दिन बाड़े में रखकर उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में छोड़ दिया जाएगा। सिंघवी ने बताया कि प्रस्ताव में इस बात का जिक्र ही नहीं है कि पहले असम से लाए गए बारनवापारा में बाड़े में वर्षो से कैद, बचे हुए चार वन भैंसा और उनके बच्चों का क्या होगा? और अगर उन्हें भी उदंती सीतानदी में लाकर छोड़ा जाना है, तो उसका जिक्र प्रस्ताव में क्यों नहीं है?

अधिकारी सो रहे थे क्या?

छोटू का ज्यादा उम्र का होने के कारण उससे प्रजनन की संभावना भी अत्यंत कम रहेगी। सिंघवी ने वन विभाग से पूछा कि तब क्या करेंगे, जब छोटू से प्रजनन नहीं हो पाएगा? सिंघवी ने आरोप लगाया कि असम से एक मादा 2020 में और चार मादा 2023 में लाई गईं, तब उन्हें छोटू के पास क्यों नहीं लाया गया? छः साल से क्या अधिकारी सो रहे थे?

जल संरक्षण बना जन आंदोलन : मोर गांव मोर पानी अभियान से दुर्ग जिले की उपलब्धि

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह के नेतृत्व में जिले में चलाए जा रहे मोर गांव मोर पानी महाभियान ने जल संरक्षण के क्षेत्र में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। इस अभियान के तहत मात्र 15 दिनों के भीतर 32,058 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण कर एक नया कीतिर्मान स्थापित किया गया है। यह उपलब्धि न केवल प्रशासनिक दक्षता बल्कि जनभागीदारी, जागरूकता और श्रमदान की मिसाल बनकर सामने आई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित घरों में इन संरचनाओं का निर्माण कर भूजल स्तर सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है।

चरणों में बड़ी सफलता

जिला पंचायत के मुख्य कायर्पालन अधिकारी बजरंग दुबे के मार्गदर्शन में एकेच गोठ, एकेच बानी - बूंद-बूंद बचाबो पानी 2.0 अभियान की शुरुआत 13 मार्च 2025 को की गई।

प्रथम चरणः 2 घंटे में 1764 सोक पीट निर्माण कर गोल्डन बुक में दर्ज, द्वितीय चरणः 8 दिसंबर को 12,418 सोक पीट का निर्माण, कुलः 14,182 सोक पीट स्वप्रेरणा से बनाए गए। इसके अलावा अभियान के तहत 23,889 कंटूर ट्रेंच एवं वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच, 817 रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, 6,676 सोक पीट, 48 ग्राम तालाब, 5875 कंटूर ट्रेंच, 537 रिचार्ज पीट, 5 रिचार्ज शॉफ्ट सहित अन्य संरचनाएं का निर्माण किया गया है।

मनरेगा से मिला जनभागीदारी को बल

मनरेगा के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व की जानकारी दी गई और सभी 32,058 संरचनाओं की पोर्टल में एंट्री भी की गई है। इससे योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित हुई है।

भविष्य के लिए जल सुरक्षा की मजबूत नींव

लगभग 474 फीट के औसत आकार वाले इन संरचनाओं से हर वर्ष वर्षा ऋतु में हजारों लीटर पानी का संग्रहण संभव होगा। इससे भूजल स्तर में सुधार, जल संकट में कमी, स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा, जनसहभागिता से बना जन आंदोलन। इस अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि ग्रामीणों ने स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान किया, जिससे यह पहल एक जन आंदोलन का रूप ले चुकी है।

जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे हर घर जल संचय के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपने घरों और गांवों में अधिक से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाएं और इस महाभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। यह अभियान साबित करता है कि जब प्रशासन और जनता एक साथ संकल्प लेते हैं, तो बड़े से बड़ा लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है।

खास खबर

सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मी ने देहदान, नेत्रदान और त्वचादान करने की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बीएसपी से सेवानिवृत्त राकेश कुमार चौकसे ने आज देहदान, नेत्रदान एवं त्वचादान का संकल्प पत्र भरकर अपनी वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों को सौंपी। इस अवसर पर उनकी पत्नी पुष्पलता चौकसे ने उनके इस निर्णय सहमति प्रदान की एवं साक्षी बनीं। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों ने चौकसे के इस सराहनीय निर्णय की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राकेश कुमार चौकसे ने बताया कि उनकी कई वर्षो से यह इच्छा थी कि उनके निधन के बाद उनका शरीर समाज के कल्याण के लिए उपयोगी हो।

नवदृष्टि फाउंडेशन के सहयोग से आज उनकी यह इच्छा पूर्ण हुई। उन्होंने कहा कि उनके देहदान से मेडिकल छात्रों को अध्ययन एवं शोध कार्य में सहायता मिलेगी, साथ ही उनके नेत्रदान से दो व्यक्तियों को नेत्रज्योति प्राप्त होगी तथा त्वचादान से सेक्टर-9 अस्पताल के मरीजों को लाभ मिल सकेगा। सपन जैन ने कहा कि राकेश कुमार चौकसे बीएसपी से सेवानिवृत्त हैं, अतः उनके इस निर्णय का बीएसपी के कमिर्यो पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उनके इस कदम से समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा और अधिक लोग देहदान, त्वचादान एवं नेत्रदान के लिए प्रेरित होंगे। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य उज्ज्वल पींचा ने बताया कि संस्था लगातार नेत्रदान, देहदान एवं रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

महापौर ने राज्य व केंद्र सरकार का जताया आभार, कहा, नगरीय विकास को मिलेगी नई दिशा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन विभाग ने वित्तीय वर्ष के अंतिम 48 घंटों में उल्लेखनीय कार्य करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विभाग ने मिशन मोड में कार्य करते हुए राज्य के सभी नगरीय निकायों के लिए 15वें वित्त आयोग के तहत कुल 404.66 करोड़ रुपये की बड़ी राशि प्राप्त की है, जिससे दुर्ग शहर सहित अन्य नगरीय क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप 30 मार्च 2026 को भारत सरकार से पहली किश्त के रूप में 202.33 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई। उप मुख्यमंत्री अरुण साव के निर्देश पर विभाग ने तत्परता दिखाते हुए यह राशि तत्काल सभी नगरीय निकायों को अंतरित कर दी। साथ ही अगली किश्त की पात्रता के लिए आवश्यक ग्रांट ट्रांसफर सर्टिफिकेट तैयार कर समय सीमा के भीतर केंद्र सरकार को प्रेषित किया गया, जिससे दूसरी किश्त की पात्रता सुनिश्चित हो सकी।

विभाग की त्वरित कार्यप्रणाली और केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय तथा वित्त मंत्रालय के साथ बेहतर समन्वय का ही परिणाम रहा कि कुछ ही घंटों में 202.33 करोड़ रुपये की दूसरी किश्त भी स्वीकृत होकर प्राप्त हो गई। इस प्रकार कुल 404.66 करोड़ रुपये की राशि राज्य को उपलब्ध हो सकी। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर दुर्ग शहर की महापौर अलका बाघमार द्वारा उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव के सतत मॉनिटरिंग और केंद्र सरकार से उत्कृष्ट समन्वय के लिए आभार व्यक्त किया है।

महापौर ने कहा कि इस बड़ी राशि के प्राप्त होने से दुर्ग शहर सहित प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों में विकास कार्यों को गति मिलेगी, विशेष रूप से पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिलेगा। उन्होंने राज्य एवं केंद्र सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह सहयोग प्रदेश के नगरीय विकास को नई दिशा देगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगा।

विकास कार्यो की सौगात : मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया डोमशेड का लोकार्पण व भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर दुर्ग शहर को विकास कार्यों की एक महत्वपूर्ण सौगात प्राप्त हुई है। दुर्ग शहर के वार्ड क्रमांक 25 संतराबाड़ी में नवनिर्मित डोमशेड का लोकार्पण किया गया, वहीं वार्ड क्रमांक 46 पद्मनाभपुर में डोमशेड निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन सम्पन्न हुआ। दुर्ग शहर विधायक एवं केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव निरंतर शहर के सर्वांगीण विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में जनसुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

वार्ड क्रमांक 25 संतराबाड़ी स्थित गायत्री मंदिर परिसर में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने सहभागिता करते हुए वेदमाता गायत्री के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किये। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों से आत्मीय संवाद किये और उनकी आवश्यकताओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुने। मंत्री श्री यादव ने कहा कि यह भव्य डोमशेड क्षेत्र के धार्मिक एवं सामाजिक जीवन को नई दिशा देगा। अब यहां विवाह, धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक कार्यक्रम एवं अन्य सामुदायिक आयोजन सुव्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण में आयोजित किए जा सकेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि शासन की मंशा केवल निर्माण कार्य तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को बेहतर सुविधा, सुरक्षा और सुगमता प्रदान करना है। डोमशेड निर्माण से न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, बल्कि स्थानीय नागरिकों को भी विभिन्न आयोजनों के लिए एक स्थायी एवं संरक्षित स्थल उपलब्ध होगा। यह कार्य क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 46 पद्मनाभपुर में प्रस्तावित डोमशेड निर्माण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम में भी मंत्री श्री यादव शामिल हुए। भूमि पूजन विधि-विधान के साथ सम्पन्न किया गया। यह कार्य लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांग रही थी, जिसके पूर्ण होने से स्थानीय नागरिकों में विशेष उत्साह और संतोष का वातावरण है। मंत्री श्री यादव ने कहा कि इस डोमशेड के निर्माण से क्षेत्र में धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नया मंच मिलेगा और स्थानीय स्तर पर सामुदायिक सहभागिता को भी बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री यादव ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य एवं सामुदायिक संरचनाओं के विकास के माध्यम से नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का सतत प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आने वाले समय में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ विकास कार्यों को गति दी जाएगी और दुर्ग शहर को एक आदर्श एवं सुव्यवस्थित शहर के रूप में विकसित किया जाएगा।

इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, पार्षद श्रीमति मनीषा सोनी, संजय अग्रवाल, मनीष कोठारी, गुलशन साहू, युवराज कुंजाम, श्रीमति सविता साहू, भाजयुमो अध्यक्ष हिमांशु सिंह, मंडल अध्यक्ष बंटी चौहान, कमलेश फेकर, महेन्द्र लोढ़ा, धीरजलाल टांक, एसपी सिंह, आर.डी. महिलांग, अभय सोनी, राकेश झा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने इस विकास कार्य के लिए मंत्री श्री यादव का आभार व्यक्त किया और क्षेत्र के निरंतर विकास की अपेक्षा जताई।

भव्य शोभा यात्रा में शामिल हुए विधायक ललित चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत रिसाली श्री केशरी समिति के तत्वाधान में, हनुमान जयंती गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान श्री केशरी समिति के सचिव शोभायात्रा के आयोजक रिसाली आशीष नगर वार्ड 25 के पार्षद मनीष यादव बंटी के नेतृत्व में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह आयोजन का पंचम वर्ष है शोभायात्रा में लोग भगवा झंडा लिए जय श्रीराम, बजरंग बली के नारे लगा रहे थे। शोभायात्रा आशीष नगर रिसाली के विभिन्न मार्ग होते हुए डी पी एस चौक स्थिति हनुमान मंदिर पहुंची। हनुमान मंदिरों में रामचरित मानस का पाठ हुआ। इस दौरान हनुमानजी का भव्य श्रृंगार किया गया। और डीपीएस चौक के पास भगवा ध्वज फहराया गया।

शोभायात्रा में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। लोगों की संख्या इतनी थी कि हर तरह हुजूम ही दिख रहा था। बुढ़े, युवक व बच्चों के साथ महिलाओं ने भी शोभायात्रा में भारी उत्साह के साथ शिरकत किया। शोभायात्रा में शामिल तमाम देवी-देवताओं की मनोरम झांकियां लोगों को आकर्षित कर रही थी। इस दौरान युवाओं ने शस्त्रों के साथ शौर्य प्रदर्शन किया। श्री दुलराय अघोरी व काली माता ग्रुप (अंजोरा)- संगवारी गड़वा बाजा पार्टी—आनंद धाम (सगनी)- माता जसगीत- नवदुर्गा झांकी- नरसिंह भगवान की झांकी- शंकर-पावर्ती झांकी- काली माता के पाँच स्वरूपों की झांकी- रामदरबार की मनोहारी झांकी- डी.जे. महाकाल एवं डी.जे. गजराज की अनुपम प्रस्तुति ने समाबांधा।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने क्षेत्र वासियों को हनुमान जन्मोत्सव आयोजन के लिए आयोजक समिती को धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री केशरी समिति के सचिव शोभायात्रा के आयोजक व पार्षद मनीष यादव ने क्षेत्र वासियों को हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी और कहा यह आयोजन का चतुर्थ वर्ष आप सभी भक्त जानो के प्यार सहयोग व आशीर्वाद से संभव हुआ है आयोजन में शामिल सभी भक्त जनों प्रमाण कर आयोजन सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप सोनू राम सिंह ,पप्पू चंद्राकर, पुरेंद्र साहू ,पार्षद सुनंदा चंद्राकर, विधि यादव, रमा साहू, अतुल बाजपेई, संध्या वर्मा,राजेश्वरी पसीने,अनुपमा, पावर्ती कुर्रे, विवेक बंछोर, विक्की सोनी मंदीप प्रसाद, विक्की यादव, बॉबी दास, सौरभ ठाकुर,आदर्श सिंह, विक्की सिंह, दुर्गेश यादव,अमन वर्मा, संदीप सैनी, सोनू पांडे, क्षितिज हिरवानी, दीपक, गोलू व आयोजन समिति के सदस्य सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित रहे।

मोदी सरकार की आर्थिक कुप्रबंधन व कूटनीतिक विफलता के कारण महंगाई पहुंची चरम पर - कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

केंद्र की मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों और कूटनीतिक विफलताओं के कारण देश में महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आम जनता का जीवन अत्यंत कठिन हो गया है। यह बात जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के अध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं भिलाई शहर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने संयुक्त रूप से प्रेस को जारी बयान में कही।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार ने एक बार फिर कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 195 रुपये की वृद्धि कर दी है। इसके पहले ही पिछले तीन महीनों में 525 रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी थी। वहीं हाल ही में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में भी 62 रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे आम गृहस्थी पर सीधा असर पड़ा है।

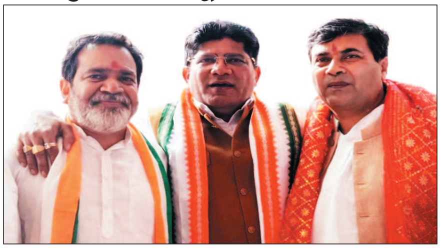

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने का दिखावा किया गया, जिसे भाजपा नेताओं ने बड़ी राहत के रूप में प्रचारित किया, लेकिन हकीकत यह है कि पेट्रोल के दाम फिर से बढ़ने लगे हैं। कुछ राज्यों में 1 रुपये से अधिक और नायरा पेट्रोल पंपों पर लगभग 4 रुपये तक की बढ़ोतरी देखी गई है।

इसके साथ ही एविएशन फ्यूल की कीमतों में वृद्धि के कारण हवाई यात्रा भी महंगी हो गई है। रोजमर्रा की जरूरतों जैसे खाद्य तेल, मावा, राशन सामग्री एवं दूध के दामों में बेतहाशा वृद्धि ने आम आदमी के किचन का बजट बिगाड़ दिया है।

दुर्ग (ग्रामीण) जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि जो खाद्य तेल कभी 70 रुपये प्रति लीटर तक पहुंचने में वर्षों लगा, वह आज 200 रुपये पार हो चुका है। वहीं, घरेलू गैस सिलेंडर, जिसे भाजपा पहले 400 रुपये में महंगा बताती थी, आज 900'0 रुपये तक पहुंच चुका है। वतर्मान में कमर्शियल गैस सिलेंडर का दाम 1580 रुपये से बढ़कर 1691 रुपये हो गया है, जो छोटे व्यापारियों और होटल व्यवसायियों पर अतिरिक्त बोझ डाल रहा है। श्री ठाकुर ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। सारी राहत केवल उनके पूंजीपति मित्रों को दी जा रही है, जबकि आम जनता महंगाई के बोझ तले दबकर अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए संघर्ष कर रही है।

दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार ने मनरेगा के तहत रोजगार की कानूनी गारंटी दी थी, जिसे मोदी सरकार ने कमजोर कर गरीबों के रोजगार के अधिकार को सीमित कर दिया है। आम लोगों की आय घट रही है और आर्थिक असमानता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के संसाधनों और सार्वजनिक उपक्रमों पर पूंजीपतियों का एकाधिकार स्थापित किया जा रहा है, जो सरकार की गलत नीतियों का परिणाम है।

भिलाई नगर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि आज महंगाई आम जनता के लिए भाजपा निर्मित आपदा बन चुकी है। रेलवे टिकट, स्कूल-कॉलेज फीस, बैंक शुल्क सहित हर क्षेत्र में बढ़ोतरी हो रही है। बैंक भी विभिन्न सेवा शुल्क लगाकर आम खाताधारकों से वसूली कर रहे हैं। पेट्रोल, डीजल और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि ने आम जनता का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है और यदि सरकार ने जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए, तो जनता का आक्रोश और बढ़ेगा।

भक्तिमय हुआ माहौल, कांग्रेस भवन दुर्ग में हुआ सुंदरकांड पाठ का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग शहर द्वारा आज राजीव भवन, दुर्ग में सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन एवं संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक माहौल में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, कांग्रेसजनों एवं नगरवासियों ने सहभागिता कर प्रभु श्रीराम और बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्वान पंडितों एवं भजन मंडलियों द्वारा सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ किया गया। पाठ के दौरान उपस्थित श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ भक्ति रस में डूबे नजर आए। भगवान श्रीराम, माता सीता एवं संकटमोचन हनुमान जी की आराधना के बीच संकीर्तन में प्रस्तुत भजनों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

कार्यक्रम के समापन पर भंडारे एवं प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर दुर्ग कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि हनुमान जन्मोत्सव केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि शक्ति, सेवा, समर्पण और धर्म के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है। सुंदरकांड पाठ और संकीर्तन के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा, भाईचारा और आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। बाकलीवाल ने भक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि भगवान श्रीराम ने माता शबरी को नौ प्रकार की भक्ति का मार्ग बताया था। उन्होंने संत संग, कथा श्रवण, गुरु सेवा, प्रभु गुणगान, मंत्र जाप, सदाचार को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिवार सदैव सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में सद्भाव और एकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस दौरान पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व विधायक अरुण वोरा, राजेंद्र साहू, मुकेश चंद्राकर, आर एन वर्मा, मनीष बंछोर, क्षितिज चंद्राकर, संजय कोहले, दीपक दुबे, देवेंद्र देशमुख, राय सिंह ढिकोला, कौशल किशोर सिंह, अजय शर्मा, गुरदीप भाटिया, आनंद ताम्रकार, देवीश्री साहू, कन्या ढीमर, रत्ना नरमदेव, प्रेमलता साहू, अब्दुल गनी, दीपक साहू, अजय मिश्रा, निकिता मिलिंद, अनूप वर्मा, सनी साहू, धनंजय साहू, गौरव उमरे, सुशील भारद्वाज, ओमप्रकाश जोशी, त्रिशरण डोंगरे, सोनू साहू, आदित्य नारंग, राजकुमार पाली, नंदकिशोर शर्मा, प्रकाश जोशी, नंदा राउत, दुष्यंत देवांगन, दीपक जैन, संजय बतरा, खुर्सीद अहमद, चंद्रशेखर पारख, मुकेश साहू, हेमा साहू, विनोद सेन, शंकर ठाकुर, बिजेंद्र भारद्वाज, सुनीत घोष, बृजलाल पटेल, शत्रुहन चक्रधारी, रमेश पटेल, मनीषा सोनि, मनोज सिन्हा, अविनाश यादव, चंद्रमोहन गभने, लोकेश उपस्थित थे।

सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने एचपीवी टीकाकरण अभियान 6 से

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में जिले में बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। आगामी 06 अप्रैल 2026 से जिले के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में एचपीवी टीकाकरण उपलब्ध रहेगा।

इस संबंध में जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टाफ नर्सो को आवश्यक प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के बाद सर्वाधिक होने वाला कैंसर सर्वाइकल कैंसर है, जिससे बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन अत्यंत प्रभावी है। यह वैक्सीन बालिकाओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के संक्रमण से बचाकर भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि यह टीकाकरण 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए निर्धारित किया गया है तथा सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में शासकीय अवकाश को छोड़कर प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक टीकाकरण किया जाएगा। 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी बालिकाएं भी इस वैक्सीन के लिए पात्र होंगी। टीकाकरण के समय अभिभावकों को बालिका का फोटोयुक्त पहचान पत्र एवं आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य होगा।

नक्सलवाद की समाप्ति के संकल्प की पूर्ति पर भव्य हनुमंत भंडारा का हुआ आयोजन

सुरक्षा बलों के साहस को समर्पित इस आयोजन में पुलिस प्रशासन की रही सहभागिता

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

सशस्त्र नक्सलवाद की समाप्ति के ऐतिहासिक संकल्प की पूर्ति के उपलक्ष्य में कबीरधाम जिले के सिद्ध श्री खेड़ापति हनुमान महाराज मंदिर प्रांगण में श्रद्धा, आस्था एवं उल्लास के साथ हनुमंत भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित होकर भगवान श्री खेड़ापति हनुमान जी महाराज के दर्शन-पूजन कर प्रदेश में शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की तथा भंडारा प्रसाद ग्रहण किया।

भंडारा आयोजन में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती रश्मि शर्मा एवं उनके पुत्र अभिनव शर्मा द्वारा स्वयं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर कबीरधाम पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल, डीएसपी भूपत सिंह, श्रीमती अंजु कुमारी, कृष्णा चंद्राकर, आशीष शुक्ला तथा कोतवाली थाना प्रभारी योगेश कश्यप सहित अन्य अधिकारियों ने भी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण कर सहभागिता निभाई एवं प्रसाद ग्रहण किया।

उल्लेखनीय है कि 31 मार्च 2026 की निर्धारित समय-सीमा तक बस्तर सहित छत्तीसगढ़ से सशस्त्र नक्सलवाद के पूर्णतः समाप्त होने की ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त हुई है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में स्थापित शांति, सुरक्षा एवं विकास के नए युग का अभिनंदन करते हुए ईश्वर के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई।

विदित हो कि विगत चार दशकों से अधिक समय तक छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर अंचल, नक्सलवाद की गंभीर चुनौती से जूझता रहा। इस दौरान अनेक निर्दोष नागरिकों एवं सुरक्षा बलों के जवानों ने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया तथा क्षेत्रीय विकास प्रभावित रहा। कबीरधाम जिला भी इस समस्या से अछूता नहीं रहा। किंतु केंद्र एवं राज्य सरकार के दृढ़ संकल्प, प्रभावी रणनीति तथा सुरक्षा बलों के साहस, पराक्रम एवं समर्पण के फलस्वरूप आज यह ऐतिहासिक सफलता प्राप्त हो सकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए गए सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप यह उपलब्धि संभव हुई है। साथ ही उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री था कवर्धा के स्थानीय विधायक विजय शर्मा की सक्रिय भूमिका भी इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय द्वारा सुरक्षा बलों के वीर जवानों के अदम्य साहस एवं बलिदान को नमन करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में भगवान श्री खेड़ापति हनुमान जी महाराज का विधिवत पूजा अचर्ना कर प्रदेश में स्थायी शांति, सुरक्षा, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की गई। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, श्रद्धा एवं उत्साह का वातावरण बना रहा। भंडारा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई, जिससे सामाजिक एकता, सौहार्द एवं जन-समरसता का सशक्त संदेश प्रसारित हुआ।

खास खबर

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स : खेल के संग संस्कृति का संगम : छग ने जीता खिलाड़ियों का दिल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के तहत छत्तीसगढ़ पहुंचे विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों के लिए राज्य सरकार एवं छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा खेल के साथ-साथ समृद्ध सांस्कृतिक अनुभव भी सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में अरुणाचल प्रदेश के फुटबॉल खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों सिरपुर, बारनवापारा एवं नया रायपुर स्थित जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और जनजातीय संस्कृति को करीब से जाना।

खिलाड़ियों का यह सांस्कृतिक भ्रमण सिरपुर से शुरू हुआ, जहां उन्होंने प्राचीन लक्ष्मण मंदिर और बौद्ध स्मारकों के दर्शन किए। उन्हें सिरपुर के गौरवशाली इतिहास, पुरातात्विक महत्व और सांस्कृतिक समृद्धि से अवगत कराया गया। इसके बाद खिलाड़ियों का दल बारनवापारा अभयारण्य पहुंचा, जहां प्राकृतिक वातावरण के बीच उन्हें बैंबू राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव कराया गया। हरेली इको रिसॉर्ट, मोहदा बारनवापारा में खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखा, जिसने उन्हें स्थानीय स्वाद और आतिथ्य से रूबरू कराया।

यात्रा के अगले चरण में खिलाड़ियों को नया रायपुर स्थित जनजातीय ट्राइबल म्यूजियम ले जाया गया, जहां उन्होंने छत्तीसगढ़ के जनजातीय वीरों की गाथाओं, पारंपरिक जीवनशैली, कला, वेशभूषा और सांस्कृतिक विरासत को विस्तार से जाना। संग्रहालय के समृद्ध प्रदर्शन और जीवंत प्रस्तुतियों ने खिलाड़ियों को प्रदेश की विविधता और सांस्कृतिक गहराई से परिचित कराया। खिलाड़ियों ने इस विशेष पहल के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और पर्यटन मंडल की सराहना करते हुए कहा कि यह अनुभव उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि खेल के साथ-साथ इस प्रकार का सांस्कृतिक जुड़ाव उन्हें भारत की विविधता को समझने का अवसर प्रदान करता है।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की यह पहल न केवल खिलाड़ियों को राज्य की पहचान से जोड़ रही है, बल्कि खेलो इंडिया के उद्देश्य एक भारत, श्रेष्ठ भारत को भी साकार कर रही है। यह प्रयास राज्य की सकारात्मक छवि को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने के साथ-साथ पर्यटन को भी नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सर्वाधिक दिव्यांगजनों को रोजगार देने के मामले में कबीरधाम प्रदेश में प्रथम

महात्मा गांधी नरेगा योजना के अलग-अलग पैरामीटर्स पर जिले ने हासिल की कई उपलब्धियां

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत कबीरधाम जिले ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना का बेहतर क्रियान्वयन कर कई उपलब्धियां हासिल करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में कबीरधाम जिले ने ग्रामीणों को सर्वाधिक मानव दिवस का रोजगार देने, सर्वाधिक परिवारों को रोजगार, सर्वाधिक दिव्यांग जनों को रोजगार देने सहित अनेको पैरामीटर पर कई उपलब्धियां अपने नाम की। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा लगातार विभागीय समीक्षाओं के दौरान शासकीय योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित करने प्रोत्साहित किया जाता रहा है। और आज इसी का परिणाम है कि कबीरधाम जिले ने मनरेगा योजना के क्रियान्वयन में बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में एक बार फिर अपना नाम प्रथम पंक्ति में स्थापित किया है।

लगातार प्रयास के मिले सुखद नतीजे- कलेक्टर वर्मा

कलेक्टर कबीरधाम गोपाल वर्मा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा ग्रामीणों को रोजगार देने के लिए निरंतर समीक्षा की गई। ग्राम पंचायतो की मांग पर बहुत से निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए और कार्य प्रारंभ कर ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। वनांचल क्षेत्र से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक बड़ी मात्रा में निर्माण कार्य चल रहे हैं। समय पर मजदूरी भुगतान हो यह सुनिश्चित किया गया। वतर्मान में ग्रामीणों के लिए पर्याप्त मात्रा में रोजगार उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 11 हजार 466 परिवारों को 100 दिवस का रोजगार मिला है और वे आर्थिक रूप से लाभान्वित हुए है। हमारा सतत प्रयास है कि मनरेगा योजना से समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को लाभान्वित किया जाए। जल संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन एवं आजीविका जैसे प्रमुख घटकों के क्षेत्र में योजना से पर्याप्त कार्य हो रहे है।

रोजगार के साथ आजीविका को बढ़ाना प्रमुख उद्देश्य - सीईओ अग्रवाल

सीईओ अभिषेक अग्रवाल ने बताया की ग्रामीणों के मांग पर रोजगार उपलब्ध कराना, समय पर निर्माण कार्य की स्वीकृति एवं सभी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो इन बातों पर विशेष ध्यान दिया। इसीलिए जिले के सभी क्षेत्रों में ग्रामीणों को पर्याप्त रोजगार मिला और हम प्रदेश में बेहतर कर पाए। आजीविका डबरी, नया तालाब निर्माण, कच्ची नाली निर्माण, पुराने तालाबों का गहरीकरण जैसे अनेक जल संरक्षण के कार्यो के साथ आजीविका के लिए कुकुट पालन शेड, पशुपालन शेड जैसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया गया है। मार्च माह के अंतिम सप्ताह में प्रारंभ हुए नए कार्यों से जिले की उपलब्धि और बढ़ेगी तथा हमारे ग्रामीणों को और अधिक लाभ होना अपेक्षित है।

उल्लेखनीय है महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से ग्रामीणों को बड़ी मात्रा में रोजगार का अवसर मिलता है। योजना से ग्रामीणों को रोजगार के साथ गांव में विभिन्न परिसंपत्तियों का निर्माण होता है। योजना के क्रियान्वयन में कबीरधाम जिला लगातार कई वर्षों से प्रदेश में अग्रणी बना हुआ है ग्रामीणों को इसका लाभ मिल रहा है।

मनरेगा योजना के पैरामीटर्स जिसमें कबीरधाम ने हासिल की उपलब्धि

सर्वाधिक मानव दिवस रोजगार का सृजन-जिले के ग्रामीणों को 58 लाख 54 हजार 40 मानव दिवस का रोजगार मिला। जो प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। सर्वाधिक ग्रामीण परिवारों को रोजगार-जिले के 1 लाख 42 हजार 482 ग्रामीण परिवारों को रोजगार मिला, जो प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। सर्वाधिक दिव्यांग जनों को रोजगार- जिले में 2 हजार 538 दिव्यांग जनों को 58 हजार 493 मानव दिवस का रोजगार दिया गया। जो प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। ग्रामीण महिलाओं को भी मिला रोजगार का बेहतर अवसर- योजना अंतर्गत 1 लाख 30 हजार 160 महिलाएं पंजीकृत है और इन्हें 29 लाख 33 हजार 959 मानव दिवस का रोजगार मिला है। महिलाओं को रोजगार देने के मामले में कबीरधाम जिला पूरे प्रदेश में तीसरे स्थान पर है। 124 करोड़ 53 लाख से अधिक का मजदूरी भुगतान- मनरेगा में रोजगार पाने वाले जिले के ग्रामीणों को 124 करोड़ 53 लाख 46 हजार रुपए का मजदूरी भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में जारी किया गया। मजदूरी भुगतान के मामले में कबीरधाम जिला प्रदेश में तीसरे स्थान पर है। ग्रामीणों को मिला मजदूरी भुगतान से उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

सरहुल महोत्सव में शामिल हुए पर्यटन और संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल

कार्यक्रम

जनजातीय समाज केवल एक समुदाय नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मीय सह-अस्तित्व की एक अनूठी जीवन पद्धति है- मंत्री राजेश अग्रवाल

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

प्रकृति उपासना और जनजातीय संस्कृति की जीवंत परंपरा का प्रतीक सरहुल पूजा महोत्सव अम्बिकापुर के कला केन्द्र मैदान में श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराओं को नमन किया।

मंत्री श्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन की शुरुआत माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः से करते हुए कहा कि जनजातीय समाज केवल एक समुदाय नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मीय सह-अस्तित्व की एक अनूठी जीवन पद्धति है, जो हमें संतुलन, संरक्षण और कृतज्ञता का संदेश देती है। उन्होंने सरहुल पर्व को प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का पावन अवसर बताते हुए चराचर जगत के कल्याण तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए मंगलकामनाएं कीं।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराओं से है, जिन्हें सहेजना और आगे बढ़ाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अम्बिकापुर की देवतुल्य जनता से प्राप्त अपार स्नेह और आशीष के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां के लोगों का निस्वार्थ अपनापन उनके जीवन की अमूल्य संचित पूंजी है, जो उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है।

इस दौरान जनजातीय समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में लोकनृत्य और गीतों की मनोहारी प्रस्तुति दी, जिससे पूरा कला केन्द्र मैदान ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्यों की गूंज से सराबोर हो उठा। सरहुल महोत्सव, जो साल वृक्ष के फूलों के खिलने के साथ प्रकृति के नवजीवन का उत्सव है, सामाजिक एकता, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक अस्मिता का सशक्त प्रतीक बनकर सामने आया। कार्यक्रम का समापन जय जोहार के गूंजते उद्घोष के साथ हुआ, जिसने जनजातीय गौरव और सांस्कृतिक चेतना को और अधिक सुदृढ़ किया।

सुधर्म स्थानकवासी जैन संघ के ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुधर्म स्थानकवासी जैन संघ द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर 2026 का समापन रविवार को हुआ। इसी अवसर पर सुधर्म जैन विहार, भैरव सोसाइटी में सुधर्म भवन का विधिवत शिलान्यास भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे शिविर समापन समारोह से हुई, जिसके बाद दोपहर 12:36 बजे भवन शिलान्यास का आयोजन किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे और पूरे कार्यक्रम का माहौल धार्मिक व उत्साहपूर्ण रहा।

संघ के प्रतिनिधि अजय जैन ने बताया कि सुधर्म परिवार द्वारा पिछले 41 वर्षो से इस प्रकार के ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर का नियमित आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बच्चों और युवाओं को संस्कार, धर्म और नैतिक शिक्षा दी जाती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेमचंद श्रीश्रीमाल रहे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में मोतीलाल कांकरिया और पारसमल बोथरा उपस्थित थे। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष प्रेमचंद गोलछा और महामंत्री कमल बोहरा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। शिविर में खीचन गुरुकुल के ओजस्वी सुश्रावक विद्यासागर एवं उनकी टीम (जोधपुर) द्वारा अध्यापन कराया गया। शिविर में लगभग 800 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह शिविर माता स्व. रंभा देवी एवं पिता स्व. पुखराज गोलछा की स्मृति में आयोजित किया गया, जिसके लाभार्थी मूलचंद गोलछा एवं श्रीचंद गोलछा परिवार रहे।

मार्कफेड की समीक्षा बैठक में धान निराकरण व उठाव में तेजी के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा आज नवा रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में जिला विपणन अधिकारियों की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के विपणन अधिकारी उपस्थित रहे, जहां धान खरीदी, भंडारण एवं उठाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में वर्ष 2024-25 के धान निराकरण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए प्राधिकृत अधिकारी शशिकांत द्विवेदी ने शेष धान के शीघ्र निराकरण के लिए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए।

प्राधिकृत अधिकारी मार्कफेड में संग्रहण केंद्रों से धान उठाव के लिए जारी टीओ तथा वर्ष 2025-26 के लिए जारी डीओ के विरुद्ध वास्तविक उठाव की जिलेवार प्रगति का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने 30 मार्च 2026 की स्थिति में उपार्जन केंद्रों में उपलब्ध शेष धान की जानकारी लेते हुए उसके सुरक्षित संधारण एवं त्वरित उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके अलावा, जिलों में अनुपयोगी बारदानों के प्रबंधन तथा स्वयं के एवं किराए के गोदामों से संबंधित लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर भी विशेष जोर दिया।

बैठक में पिछली समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की भी गहन समीक्षा की गई। प्राधिकृत अधिकारी ने स्पष्ट किया कि धान खरीदी एवं उठाव की प्रक्रिया में पारदशिर्ता, समयबद्धता एवं जवाबदेही अत्यंत आवश्यक है और सभी अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करनी होगी। इस अवसर पर मार्कफेड मुख्यालय के अपर प्रबंध संचालक, मुख्य लेखाधिकारी सह वित्तीय नियंत्रक, समस्त महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

रफ्तार व शक्ति का महासंग्राम, बस्तर की धरा पर संपन्न हुई खेलो इंडिया एथलेटिक्स स्पर्धाएं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर की पावन धरा जगदलपुर के धरमपुरा स्थित आधुनिक क्रीड़ा परिसर में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत गुरुवार को एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन ट्रैक पर रफ्तार, शक्ति और अटूट संकल्प का अद्भुत संगम देखने को मिला। बीते 30 मार्च से भव्यता के साथ शुरू हुए इस खेल महाकुंभ के समापन अवसर पर देश के कोने-कोने से आए जनजातीय एथलीटों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कई रोमांचक पदक अपने नाम किए।

दिन की सबसे चुनौतीपूर्ण स्पर्धाओं में से एक, पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में नागालैंड के धावक वेडे टमेरो ने शुरू से ही अपनी लय बरकरार रखी और 32:28.46 के शानदार समय के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उनके ठीक पीछे महाराष्ट्र के जुझारू एथलीट कमलाकर लक्ष्मण देशमुख रहे, जिन्होंने रजत पदक जीता, जबकि जम्मू-कश्मीर के हंस राज ने कांस्य पदक जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

इसी स्पर्धा के महिला वर्ग में पश्चिम बंगाल की संजीता ओरांव ने अपनी सहनशक्ति का परिचय देते हुए 40:21.18 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जहाँ ओडिशा की संध्या मुर्मू को रजत और मेघालय की बलारिशा थिरनियांग को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। मैदान पर रोमांच तब और बढ़ गया जब एथलेटिक्स के इस अंतिम पड़ाव पर लघु दूरी की स्पर्धाओं में धावकों ने अपनी बिजली जैसी तेजी दिखाई। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में झारखंड के धावक शिव कुमार सोरेन ने 21.51 सेकंड के रिकॉर्ड समय के साथ फिनिशिंग लाइन पार कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम के अर्पण ताई और राजस्थान के जगदीश मीणा ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए।

महिला वर्ग की 200 मीटर स्पर्धा में कर्नाटक की ऋतुश्री ने 25.87 सेकंड की रफ्तार से स्वर्ण पदक अपने नाम कर राज्य का गौरव बढ़ाया। मध्यम दूरी की 1500 मीटर दौड़ में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहाँ महिला वर्ग में कर्नाटक की नागिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं पुरुष वर्ग में झारखंड के राहुल उरांव ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उल्लेखनीय है कि मेजबान छत्तीसगढ़ के मनीष कुमार ने घरेलू मैदान पर दशर्कों के भारी समर्थन के बीच तीसरा स्थान हासिल कर राज्य की झोली में कांस्य पदक डाला।

शक्ति और तकनीक के संगम वाली भाला फेंक (जैवलीन थ्रो) स्पर्धा में मध्य प्रदेश के गुलाब सिंह ने 62.80 मीटर की प्रभावशाली दूरी तय कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम के प्रमोद हागजेर मात्र कुछ ही फासले से पीछे रहकर रजत पदक के हकदार बने। टीम वर्क और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन करते हुए महिला 4७400 मीटर रिले दौड़ में झारखंड की आशा किरण बारला और तनीषा कुमारी की टीम ने स्वर्ण पदक जीता, वहीं पुरुषों की इसी स्पर्धा में ओडिशा की टीम ने चौंपियन बनकर अपनी धाक जमाई।

कुश्ती सीखने के लिए स्विमिंग पूल में जॉब करने वाली देबी डायमारी की मेहनत रंग लाई

'जब हालात मुश्किल होते हैं, तो मजबूत लोग आगे बढ़ते हैं- यह एक मशहूर कहावत है जो खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने की ललक को बयां करती है। असम की महिला पहलवान देबी डायमारी की कहानी बाधाओं को पार करने की इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। आखिरकार देबी को उन सभी प्रयासों का फल तब मिला, जब उन्होंने यहां 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' में महिलाओं की 62 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता। असम के गोलाघाट जिले के सिसुपानी स्थित दिनेशपुर गांव की रहने वाली 28 वर्षीय देबी ने सात साल की उम्र में ही अपने माता-पिता को खो दिया था। इसके बाद उन्हें अपने चाचा-चाची के साथ रहना पड़ा और आर्थिक तंगी के चलते अपनी ट्रेनिंग जारी रखने के लिए उन्हें छोटे-मोटे काम भी करने पड़े। बोडो ट्राइब से आने वाली देबी कहती हैं, "इस पदक के पीछे मेरी कड़ी मेहनत है। मैंने चार साल पहले ही 2022 में गोलाघाट जिले के बोकाखात में काजीरंगा के बगल में खेलो इंडिया सेंटर में कुश्ती शुरू की थी। इसमें प्रैक्टिस करने के लिए मुझे सेंटर के आसपास रूम लेकर रहना पड़ा। रूम का 1000 रुपया किराया देने के लिए मेरे पास पैसे नहीं थे, इसलिए मुझे एक साल तक पार्ट टाइम जॉब भी करना पड़ा।" वह आगे कहती हैं, "पहले तो मुझे 2022 में 2500 रुपये मासिक वेतन पर ईजी बाजार

(बोकाखात) स्टोर में काम करना पड़ा और फिर 2023 में काजीरंगा में स्थित बोन विला रिसॉर्ट में करीब 7000 रुपये के मासिक वेतन पर जॉब करना पड़ा। वहां पर मैं स्वीमिंग पूल की देखभाल और सफाई करती थीं।" उन्होंने आगे कहा, "सारा दिन काम करने के बाद शाम को सिर्फ दो घंटे के लिए मैं कुश्ती की प्रैक्टिस कर पाती थी। मैंने जितना भी किया, उसके बदले मुझे ये रजत मिला। लेकिन मैं इससे संतुष्ट नहीं हूं और मैं अब और कड़ी मेहनत करके आगे गोल्ड जीतना चाहती हूं।"

मेजबान छत्तीसगढ़ की पुरुष रिले टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। एथलेटिक्स मुकाबलों के इस अंतिम दिन की अंतिम रोमांचक स्पर्धाओं में महिला लंबी कूद शामिल रही, जहाँ झारखंड की प्रीति लकड़ा ने 5.54 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। केंद्रीय खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित यह महाकुंभ न केवल पदक तालिका में उलटफेर कर रहा है, बल्कि जनजातीय क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को एक सशक्त राष्ट्रीय मंच प्रदान कर बस्तर के खेल इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिख रहा है।

संपादकीय

अपराध कोई भी करे उसकी सजा तो मिलनी चाहिए

किसी भी प्रदेश में कितना भी रसूखदार नेता या कोई प्रभावशाली व्यक्ति हो, अगर उसने अपराध किया है तो आम लोग तो यही चाहते हैं कि उसे सजा जरूर मिलनी चाहिए ताकि कोई रसूखदार या प्रभावशाली व्यक्ति फिर कभी राज्य में वैसा अपराध न करे।अपराध करे तो यह सोच कर डरे कि अपराध करके कोई बच नहीं सकता है, अपराध किया है तो उसकी सजा तो उसे जरूर मिलेगी। न्याय में कभी कभी देरी होती है, बहुत देरी भी होती है लेकिन जब न्याय होता है तो लोगों को लगता है कि गंभीर अपराध के मामले में अदालत ने अब न्याय किया है। जिसने अपराध किया है, जिसके इशारे पर अपराध किया गया है, उसे अब जाकर सजा मिली है।जग्गी हत्याकांड में कोर्ट ने 28 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी और अजीत जोगी पुत्र अमित जोगी को निचली अदालत ने बरी कर दिया था। तब जग्गी परिवार और राज्य के लोगों को ऐसा लगा था कि राज्य के बहुचर्चित मामले में न्याय नहीं हुआ है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता रामवतार जग्गी की 4 जून 2003 को मौदहापारा क्षेत्र में जब वह कार से घर लौट रहे थे तो गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस समय में राज्य में कांग्रेस की सरकार थी। मुख्यमंत्री अजीत जोगी थे। इस मामले में पहले पांच लोगों की गिरफ्तारी हुई थी तो माना गया था कि यह हत्या लूट के इरादे से की गई है। तब आरोप लगाया गया कि जांच भटकाने के लिए पांच लोगों से सरेंडर कराया गया है। सबूत मिटाए जा रहे हैं, जांच को प्रभावित किया जा रहा है। बाद में पुलिस ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता मानते हुए जांच की।दिसंबर 2003 में विधानसभा चुनाव हुए कांग्रेस हारी कांग्रेस की हार का एक कारण जग्गी हत्याकांड भी माना गया। भाजपा की सरकार बनी तो सीएम रमन सिंह ने मामले को गंभीरता से लिया इसे जांच के लिए सीबीआई को सौंपा गया। सीबीआई ने 2004-05 में 31 लोगों के खिलाफ चाजर्शीट दाखिल की। इसमें पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे का नाम भी शामिल था। उन पर आरोप था कि हत्या की साजिश सीएम आवास और होटलों में बैठक करे रची गई थी। सीबीआई जांच में पुलिस अधिकारियों की मिलीभगत भी सामने आई और तत्कालीन थाना प्रभारी, सीएसपी आदि के खिलाफ कार्रवाई भी हुई।

रामावतार जग्गी हत्याकांड छत्तीसगढ़ की राजनीति के इतिहास की पहली राजनीतिक हत्या मानी जाती है। होने वाले राजनीतिक नुकसान से बचने के लिए किसी की हत्या की साजिश रची गई और सरे आम गोली मारकर हत्या भी कर दी गई। इससे पहली बार ऐसा लगा कि राज्य के सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच कटुता कितनी गहरी हो गई थी।इससे राज्य में विपक्ष व सत्ता पक्ष के बीच जो दूरी बनी इसका एहसास तो अब भी कभी कभी होता है कि सत्ता व विपक्ष के बीच जितनी दूरी है, उतनी दूरी नहीं होनी चाहिए। इस मामले मे ट्रायल कोर्ट ने 2007 में 28 लोगों को दोषी ठहराया और अजीत जोगी के पुत्र अमित जोगी को सबूत के अभाव में बरी कर दिया। जग्गी परिवार मामले को हाईकोर्ट ले गया जहां कोर्ट ने अजीत जोगी के पुत्र और जनता कांग्रेस के अध्यक्ष अमित जोगी को दोषी करार दिया गया है। निचली अदालत ने अमित जोगी को संदेह का लाभ देते हुए बरी किया था तो हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को खारिज करते हुए हत्या की साजिश में अमित जोगी के संलिप्त होने के पर्याप्त सबूत हैं, उन्हें हत्या की साजिश का अहम हिस्सा माना है।

कोर्ट का फैसला आने के बाद रामवतार जग्गी के बेटे ने कहा है कि आज मेरे पिता को न्याय मिला है।मुख्य आरोपी अमित जोगी अब जेल जाएंगे। इस दिन का लंबे समय से इंतजार था। वहीं अमित जोगी ने कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि हाईकोर्ट ने महज चालीस मिनट में सीबीआई की अपील स्वीकार कर ली और उनको अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया। यह अभूतपूर्व है कि जिसे पहले अदालत ने बरी किया था उसे बिना सुनवाई के दोषी ठहरा दिया गया है।मेरे साथ अन्याय हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट से मुझे न्याय मिलेगा। जग्गी हत्याकांड से कांग्रेस की बहुत बदनामी हुई थी कि कांग्रेस राजनीतिक नुकसान से डर कर अपने विरोधियों की हत्या तक करा सकती है। यहीं वजह है इस मामले में कांग्रेस की तरफ से बयान आया है कि कांग्रेस इस मामले में निष्पक्ष जांच चाहती थी, यूपीए के समय में अमित जोगी को गिरफ्तार किया गया था। जग्गी परिवार ने न्याय के लिए लंबा संघर्ष किया है, उन्हें न्याय मिलना चाहिए।

इस मामले में फैसला आने पर भाजपा की तरफ से कहा गया है कि कांग्रेस अपराधियों को बढ़ावा देती है।कांग्रेस का अपराध के प्रति स्टैंड स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस जब भी सत्ता में आती है तो अपराधियों का संरक्षण करती है, यही वजह है कि कांग्रेस के शासन में अपराधी बेखौफ होते हैं और अपराध में वृध्दि होती है। जग्गी हत्याकांड में तो हाईकोर्ट का साफ फैसला आ गया है कि कौन दोषी है। राज्य में हुए एक और झीरम कांड में राज्य के लोग चाहते हैं कि उसका सच सामने आना चाहिए। वह भी तो राजनीति से जुड़े बहुत सारे लोगों की एक साथ हत्या करने का मामला है। कांग्रेस नेताओं की हत्या नक्सलियों ने गुस्से में की थी या किसी ने कांग्रेस नेताओं की हत्या के लिए नक्सलियों का उपयोग किया था। यह सवाल बरसों से लोगों के जेहन में है। लोग इसका सच जानना चाहते हैं और सच पर बरसों से पर्दा पड़ा हुआ है।

चुनावी कवरेज की भी है लक्ष्मण रेखा!

संजय उवाच

प्रो. संजय द्विवेदी

'पोलिटिकल लाइन' कहीं 'पार्टी लाइन' में न बदल जाए

अब जबकि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की रणभेरी बज चुकी है तो हमारे मीडिया जगत में भी इन दिनों ईरान-अमरीका के युद्ध के बाद यही खबर खास है। उत्तर भारत में बंगाल और असम विमर्श के केंद्र रहेंगें तो दक्षिण क्षेत्र में केरल, तमिलनाडु और पुड्डिच्चेरी के चुनाव चर्चा के केंद्र में रहेंगें। भारत जैसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया की समझ और उसका कवरेज बहुत आसान नहीं है। चुनावों में न सिर्फ मीडिया की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है वरन स्वस्थ लोकतंत्र के विकास में यह चुनौतीपूर्ण भी हो जाती है। चुनाव के दौरान मीडिया की विश्वसनीयता भी दांव पर लग जाती है और यह कहना बहुत कठिन है कि वह इसमें कितना खरा उतरता है। भारत जैसे महादेश की विशाल संरचना, विविध भाषाएं, क्षेत्रीय अस्मिताएं, आकांक्षाएं, जाति चेतना, शिक्षा का विविध स्तर जिस तरह सामने आते हैं, उसमें कोई संतुलित दृष्टि बना पाना वास्तव में आसान नहीं होता। प्रिंट मीडिया ने तो लंबे अनुभव से इसमें एक परंपरागत कौशल अर्जित कर लिया है लेकिन इलेक्ट्रानिक मीडिया को अभी इस क्षेत्र में लंबा मुकाम तय करना है।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र की तमाम खूबियों के बावजूद तमाम बुराइयां भी हैं जो चुनाव के समय ज्यादा प्रकट रूप में सामने आती हैं। मीडिया भी हमारे संसदीय लोकतंत्र बुराइयों से बच नहीं पा रहा है। चुनावी कवरेज में भी पैकेज का खेल शुरू हो गया है, जिससे जनतंत्र मजबूत तो नहीं हो रहा है, उल्टे मीडिया की विश्वसनीयता पर भी सवालिया निशान उठने लगे हैं। हालांकि सब कुछ बुरा ही है ऐसा सोचना ठीक नहीं किंतु विचार का बिंदु यह है कि हम अपनी चुनावी कवरेज या रिपीटिंग की प्रामणिकता और विश्वसनीयता कैसे बचाएं। कई बार मीडिया अपनी तरफ से एजेंडा सेट कर लेता है और जमीनी हकीकत उससे उलट होती है, तब दंभी राजनीति मीडिया को लांछित करने का कोई मौका नहीं छोड़ती। जाहिर तौर पर चुनावी कवरेज को हमें इस स्तर पर ले जाना होगा ताकि कोई राजनीतिक दल मीडिया के आंकलनों का मजाक न बना सके। यहां यह करते हुए हमें अपनी सीमाओं का भी ध्यान रखना होगा कि हम जाने- अनजाने किसी के हाथ का खिलौना तो नहीं बन रहे हैं।

पत्रकार की राजनीतिक विचारधारा हो सकती है और बहुत संभव है कि वह अपनी राजनितिक विचारधारा को राज करते देखने का भी आकांक्षी भी हो। किंतु उसकी ह्यपोलिटिकल लाइनह्ण कहीं ह्यपार्टी लाइनह्ण में तो नहीं बदल रही है, इसे उसे सचेत होकर देखना होगा। अपनी निगहबानी और निगरानी उसे खुद करनी होगी, यही चुनावी कवरेज की लक्ष्मण रेखा भी है। तभी वह अपने व्यवसाय के प्रति ईमानदार रह पाएगा। यहां सवाल यह भी उठता है कि क्या पत्रकार की व्यक्तिगत ईमानदारी से काम चल जाएगा मीडिया संस्थानों के प्रबंधकों को भी इसमें योगदान देना होगा। एक तरफ पत्रकार का मिशन तो दूसरी ओर मीडिया प्रबंधकों और संस्थान का एजेंडा जिसे व्यवसाय की आड़ में पत्रकारिता को कलंकित करने की छूट होती है, इससे बचना होगा।

चुनाव रिपीटिंग दरअसल बच्चों का खेल नहीं है यह एक सावधानी पूर्ण कर्म है जिसे अनुभव, अध्ययन, प्रदेश की सामाजिक, आर्थिक, जातीय स्थितियों और सामाजिक ताने- बाने को समझे बिना नहीं किया जा सकता। जनता की आंख और कान होने का दावा करने वाले मीडिया की जिम्मेदारी है कि वह सही तथ्यों को जनता के सामने रखे और प्रतिनिधि का रिपीट कार्ड बिना हील-हुज्जत के लोगों को बताए। सिर्फ जातीय समीकरणों के आधार होने वाली रिपीटिंग से आगे बढ़कर मुद्दों को आगे लाने की कोशिश भी मीडिया की एक बड़ी जिम्मेदारी है। आज खबर पहले दिखाने की होड़ जिस दौर में पहुंच गयी है वहां पत्रकारों की चिंताएं बहुत बढ़ गयी हैं। रिपीटिंग का स्वभाव भी सुविधाओं की गोद में बैठने का होता जा रहा है, जबकि जमीन पर उतरे बिना सच्चाई सामने नहीं आती है। प्रायः पत्रकार बहुत अंदर के गांवों और गिरिवासी, वनवासी क्षेत्रों में नहीं जाते। जिससे वहां चलने वाली हलचलों का पता नहीं चल पाता। इससे तमाम क्षेत्रों की सही तस्वीर सामने नहीं आ पाती। जिन सर्वेक्षणों के चलते मीडिया का विश्वसनीयता सर्वाधिक प्रभावित हो रही है उसे करने वाली कंपनियों की भी विश्वसनीयता दांव पर रहती है। पर प्रायः ये सर्वेक्षण सच के करीब नहीं आ पाते। यह भी सोचने की बात है कि कई बड़ी मीडिया कंपनियां अब राजनीतिक दलों से मिलकर सर्वे के परिणामों में उलटफेर करती हैं।

यह सोचना भी बहुत डरावना है कि ऐसे में उस साख का क्या होगा जिसे लेकर मीडिया जनता के बीच आदर पाता है। प्रिंट माध्यम में कई समाचार पत्र बाजार के तमाम दबावों के बावजूद बेहतर काम कर रहे हैं किंतु इलेक्ट्रानिक माध्यमों के सामने चुनौती बड़ी है। उन्हें न सिर्फ नजरिए में बदलाव लाना होगा वरन अपने माध्यम के दैनिक कर्म से अलग चुनावी कवरेज को गंभीर बनाना होगा। बाजार के हाथ का खिलौना हर कोई बनना चाहता है किंतु साख को कायम एक अलग ही बात है। न्यूज चैनलों को सही तस्वीर दिखाने के लिए आगे आना होगा। कैसे कोई वीआईपी इलाका बन जाता है तो कैसे कोई क्षेत्र बहुत पिछड़ा रह जाता है।

विकास के साधनों की बंदरबांट और जनप्रतिनिधि की अपने क्षेत्र के बारे में सोच के प्रकटीकरण का चुनाव बेहद उपयुक्त माध्यम हैं। टीवी पर होने वाली बहसें भी कभी कभार छिछली चर्चा में तब्दील हो जाती हैं क्योंकि कई बार खुद एंकर की पकड़ विषय या क्षेत्र पर नहीं होती। अब जबकि चुनाव आयोग लगातार अपनी सक्रियता से चुनावों में कम से कम दिखने वाले कदाचारों को रोकने में तो सक्षम है, मीडिया को भी सिर्फ कारर्वाईयों के विवरण के बजाए अपनी सक्रियता दिखानी चाहिए ताकि आदर्श आचार संहिता का पालन राजनीतिक दलों के लिए अनिवार्य हो जाए।

चुनावी कवरेज में कई बार बाहर से गए अनुभवी पत्रकार ज्यादा सच्चाईयां सामने ला सकते हैं। छोटे स्थान की अपनी सीमाएं होती हैं वहां नेता, प्रशासन, आपराधिक तत्वों का एक गठबंधन बन जाता है। सो स्थानीय पत्रकार भी कई बार भय के कारण भी सामने नहीं आ पाते ऐसे समय में वरिष्ठ पत्रकारों को कमान संभालनी चाहिए। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास करते हुए रचनात्मक प्रयासों से मीडिया अपनी सामाजिक जिम्मेदारी भी निभा रहा है। अब जबकि हर साल देश में कहीं न कहीं चुनाव चलते ही रहते हैं, हमें अपने लोकतंत्र को सार्थक बनाने के लिए मीडिया के योगदान को एक वैज्ञानिक कर्म में बदल देना चाहिए। जिससे हम चुनावी कवरेज की ऐसी विधि विकसित कर सकें जिसमें आमजन की जागरूकता से राजनीति पर समाज का नैतिक नियंत्रण कायम हो सके। इससे मीडिया जनविश्वास तो हासिल करेगा ही लोकतंत्र को भी मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभा सकेगा।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

नदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना बनी सहारा, बदली श्रमिकों की तकदीर

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण हेतु प्रभावी और संवेदनशील पहल की जा रही है। विशेष रूप से श्रमवीरों एवं भूमिहीन कृषि मजदूरों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संचालित योजनाएं उनके जीवन में व्यापक परिवर्तन ला रही हैं। राज्य सरकार की नीतियों का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम छोर तक विकास का लाभ पहुंचाना है, जिससे हर परिवार आत्मनिर्भर और सशक्त बन सके।

इसी दिशा में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना भूमिहीन परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनकर उभरी है। योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है, जिससे उनकी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ भविष्य की योजनाओं को भी बल मिल रहा है।

कोरबा जिले के ग्राम भुलसीडीह निवासी मनोज खूंटे इस योजना के लाभान्वित हितग्राहियों में से एक हैं। उन्होंने बताया कि पहले उनका जीवन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में गुजर रहा था। भूमिहीन होने के कारण उनके पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था और वे मजदूरी कार्य पर ही निर्भर थे। सीमित आय के चलते परिवार का भरण-पोषण करना, बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। उन्होंने बताया कि चार सदस्यीय परिवार की जिम्मेदारी के बीच कई बार आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता था, लेकिन योजना के तहत मिलने वाली वार्षिक सहायता राशि ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। अब वे इस राशि का उपयोग बच्चों की शिक्षा, घरेलू खर्चों एवं अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में कर रहे हैं, जिससे उन्हें काफी राहत मिली है।

श्री खूंटे ने यह भी बताया कि वे अब केवल वर्तमान जरूरतों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भविष्य के प्रति भी सजग हुए हैं। वे इस राशि में से कुछ बचत कर स्वयं का छोटा व्यवसाय शुरू करने की योजना बना रहे हैं, ताकि स्थायी आय का स्रोत विकसित कर आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की इस योजना ने न केवल उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत किया है, बल्कि उनके जीवन में विश्वास और सुरक्षा की भावना भी विकसित की है। अब वे अपने परिवार की देखभाल बेहतर ढंग से कर पा रहे हैं और अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आश्वस्त हैं। यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि श्रमवीरों को सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर कर सशक्त श्रमिक, समृद्ध छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

नक्सल प्रभावित सालातोंग में बहने लगी विकास की धारा, लोगों को मिला पेयजल संकट से मुक्ति

नई दृष्टिबिंदु / सुकमा

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन ने सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित ग्राम सालातोंग में बदलाव की नई इबारत लिख दी है। 15 अगस्त 2019 को शुरू किए गए इस मिशन का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन न्यूनतम 55 लीटर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में इसी लक्ष्य को साकार करते हुए नियद नेल्लानार योजना अंतर्गत कोंटा ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम सालातोंग में अब हर घर तक नल से स्वच्छ पानी पहुंच रहा है।

ग्राम सालातोंग, जो कोंटा से लगभग 100 किमी तथा जिला मुख्यालय सुकमा से 90 किमी दूर स्थित है, लंबे समय तक नक्सल समस्या और पेयजल संकट से जूझता रहा। गांव के लगभग 80 घरों के लोग पीने और घरेलू उपयोग के लिए एक छोटे नाले पर निर्भर थे। गर्मी के मौसम में जब महीनों तक बारिश नहीं होती थी, तब नाले का जलस्तर इतना घट जाता था कि ग्रामीणों को बेहद सीमित मात्रा में पानी निकालना पड़ता था। कई बार पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष परेशानी होती थी।

अब जल जीवन मिशन के माध्यम से गांव में 100 नल कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य तेजी से किया गया, जिससे ग्रामीणों को घर बैठे शुद्ध जल उपलब्ध होने लगा है। मिशन के लागू होने के बाद गांव में न केवल जल संकट दूर हुआ, बल्कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से स्वास्थ्य में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। जलजनित बीमारियों में कमी आई है और ग्रामीणों की जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन हुआ है।

जल जीवन मिशन के तहत सालातोंग में जल संरक्षण और जल सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी गई है। गांव के जल स्रोतों सोलर आधारित सिस्टम एवं हैंडपंप का नियमित रूप से जल गुणवत्ता परीक्षण किया जा रहा है। इस कार्य में जल बहिनियाँ भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, जिनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन और गांव की शिक्षित महिलाएं शामिल हैं। इन्हें जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाया गया है, ताकि वे स्वयं पानी की जांच कर ग्रामीणों को सुरक्षित जल उपलब्धता सुनिश्चित कर सकें।

ग्रामीणों ने इस मिशन के लिए मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता, घर में नल से पानी मिल रहा है, जिससे हमारा जीवन आसान और सुरक्षित हुआ है। जल जीवन मिशन ने सालातोंग में स्वच्छ जल पहुंचाकर यह साबित कर दिया है कि सरकार की योजनाएं जब जमीन पर उतरती हैं, तो दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी विकास की नई रोशनी पहुंचती है।

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- ह्लमातृदेवो भव, पितृदेवो भवह्व केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शमर्नाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित ह्लतेलंगाना कमर्चारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026ह्व एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कमर्चारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कमर्चारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से ह्लमाता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007ह्व मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज ह्लनया भारतह्व और ह्लविकसित भारतह्व की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग-बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें।

अतः आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें-पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं। तीसरा, परिवार के भीतर माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलित और संवादपूर्ण संबंध स्थापित किए जाएं। यदि ये तीनों स्तर मजबूत हो जाएं, तो न केवल बुजुर्गों का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक होगा, बल्कि परिवार संस्था भी मजबूत होगी और समाज में मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी। निश्चिततौर पर कहा जा सकता है कि माता-पिता केवल परिवार का हिस्सा नहीं होते, वे परिवार की जड़ होते हैं। यदि जड़ कमजोर होगी, तो वृक्ष भी कमजोर होगा। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा केवल एक पारिवारिक या कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता और सभ्यता की परीक्षा है। जो समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान नहीं करता, वह कभी महान नहीं बन सकता।

पुरानी धरोहरों, पेंटिंग्स को संरक्षित करता है आर्ट रेस्टोरर

आर्ट रेस्टोरर बनने के लिए सबसे अच्छा कोर्स नेशनल म्युजियम इंस्टीटयूट (डीम्ड युनिवर्सिटी) से किया जा सकता है। दिल्ली में स्थित यह मशहूर म्युजियम दो साल की मास्टर्स डिग्री यानी एमए इन कंजरवेशन साइंस देता है। इसके बाद आप एक आर्ट रेस्टोरर बन जाएंगे।

दिन बदलते हैं, सदियां गुजरती हैं, लोग चले जाते हैं, पर तब भी कई चीजें ऐसी होती हैं, जो पुरानी यादों और पुराने लोगों की याद ताजा कराती रहती हैं। ऐसे में आर्ट कंजरवेशन बहुत जरूरी भूमिका निभाता है। इसके तहत एक आर्ट रेस्टोरर पुरानी धरोहरों, पेंटिंग्स आदि को दोबारा उसी रूप में संरक्षित कर देता है, जैसी वे सदियों पूर्व हुआ करती थीं। उदाहरण के लिए आपके घर में कोई पेंटिंग है, जो 100 साल या फिर 50 साल या इससे भी अधिक पुरानी है। उस पर धूल जम गई है, उसकी चमक फीकी पड़ गई है। उसे देख कर ऐसा लगता है कि अब उसका कोई उपयोग नहीं रह गया। पर वह पेंटिंग आपके दिल के करीब है तो ऐसे में आप किसी आर्ट रेस्टोरर के पास जाकर उसे पुन: उसी रूप में ला सकते हैं, जैसे कि वह वर्षों पहले हुआ करती थी। लाल किला, कुतुब मीनार, ताजमहल जैसी ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए आर्ट रेस्टोरर अहम भूमिका निभाते हैं।

आर्ट रेस्टोरर बनने के लिए सबसे अच्छा कोर्स नेशनल म्युजियम इंस्टीटयूट (डीम्ड युनिवर्सिटी) से किया जा सकता है। दिल्ली में स्थित यह मशहूर म्युजियम दो साल की मास्टर्स डिग्री यानी एमए इन कंजरवेशन साइंस देता है। इसके बाद आप एक आर्ट रेस्टोरर बन जाएंगे। कुछ प्राइवेट संस्थानों ने भी यह कोर्स शुरू किया है, पर नेशनल म्युजियम के आगे वे कहीं भी नहीं टिकते। इस कोर्स के दौरान आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में ऐसी जानकारी दी जाएगी कि आप इन विषयों के डॉक्टर बन जाएंगे। यह कला से जुड़ा काम है, इसलिए मेहनत इसकी पूंजी है। लकड़ी के फ्रेम तैयार करना या फिर किसी मॉन्यूमेंट की दीवारों पर बांस की बल्ली के सहारे जाकर काम करना, ये सब इसमें शामिल है।

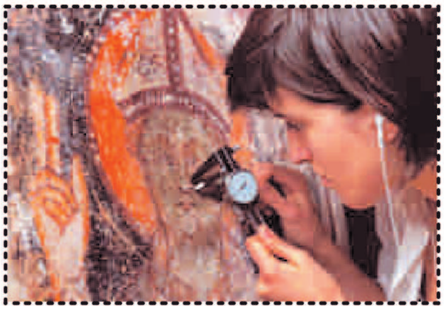

इस कोर्स को करने के बाद आपको आर्ट गैलरी, म्युजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाएगा। शुरू में आपको अनुभव के लिए किसी अच्छे आर्ट रेस्टोरर के साथ काम करना पड़ेगा। अनुभव होने के बाद आप अपना प्राइवेट स्टूडियो शुरू करने के साथ-साथ विदेशों में भी काम कर सकते हैं। स्कूलों और कॉलेजों की लाइब्रेरी भी आपको मौका दे सकती है। हां अब कई बड़ी कंपनियां आर्ट रेस्टोरर को बतौर कर्मचारी भी नियुक्त कर रही हैं। आर्ट रेस्टोरर बन कर आप लाखों रुपये महीने तक कमा सकते हैं। कला के शौकीनों के लिए अहम भूमिका निभाने वाले आर्ट कंजरवेटरों की कमी होने के कारण बहुत से लोग इनसे समय लेकर इंतजार करते हैं।

ऑफिस में परफॉर्मेंस सुधारने काम करते हैं इमोशंस

खुशी, दुख, चिंता, गुस्सा ये हर इमोशन आपके किसी न किसी तरह के काम में आपकी परफॉर्मेंस के लिए अच्छे होते हैं। आइए जानते हैं इन इमोशसं का अधिक प्रभावी ढ़ंग से किस तरह उपयोग किया जाए। हालांकि हमने इस बारे में नहीं सोचा होगा कि जो कि काम हम करते हैं, भले ही वह कलिग के ई-मेल का जवाब देना हो या सप्लायर के साथ निगोशिएशन करना हो, हम कई तरह के इमोशंस जैसे खुशी, दुख, चिंता, गुस्सा, गर्व, उत्साह अपने अंदर पाते हैं। कई बार यह इमोशंस हमें हमारी परफॉर्मेंस सुधारने काम करते हैं।

चिंता : प्रेजेंटेशन के लिए तैयार

हमें चिंता भले ही निगेटिव इमोशन लगे लेकिन यह एक हाई अलर्ट है और हम अपने राह में आने वाले सभी चीजों के लिए तैयार रहते हैं। अब भले ही वह हमारा प्रेजेंटेशन हो या सेल्स कॉल। आप भले ही इस चिंता के भाव से दूर जाना चाहते हों लेकिन एक बार आप इसके फायदें जान लेंगे तो इसके लिए आभारी रहेंगे। अगले बार जब भी आप नर्वस या चिंता महसूस करें तो यह छुपा हुआ रिएक्शन देखें 'नहीं, मैं नर्वस नहीं हूं। मैं अलर्ट हूं और प्रतिक्रिया के लिए तैयार हूं।'

अच्छा महसूस होना : क्रिएटिविटी में फायदा

एक पॉजिटिव मूड नई बातें सीखने, क्रिएटिव होने और कम क्रिटकिल होने में उपयोगी साबित होता है। पॉजिटिव इमोशन से क्रिएटिविट झलकती है। अगर आप कम महत्वपूर्ण चीजों को आसानी से करना चाहते हैं तो पॉजिटवि मूड मदद कर सकता है। आपने नोटिस किया होगा कि जब आप कोई फैसला लेने वाले होते हैं तो अच्छे मूड में ही होते हैं। अपनी आंखे बंद कीजिए और उन चीजों को याद करें जो आपको आमतौर पर खुशी देती है जैसे कोई पसंदीदा टीवी शो, दोस्त के साथ बातचीत, किताब पढ़ते हुए रिलेक्सेशन, एक अच्छा जोक।

गुस्सा : एक्शन में तब्दील

पागलपन और गुस्सा आना भले ही निगेटिव इमोशन है लेकिन यह किसी व्यक्ति, वस्तु या आइडिया पर एक्शन लेने के लिए प्रेरित करता है। मान लीजिए एक स्टोर का मालिक लाभ के सामान की कीमतें बढ़ा देता है। लेकिन ऐसा करके वह अपना विश्वास चोटिल कर देता है जो कि उसने अपने ग्राहकों के दिमाग में बनाया था। वह डरता है कि बढ़ती कीमत की वजह से ग्राहकों की नाराजगी बढ़ेगी जो कि वह अवॉइड करना चाहता है। डर की बजाए गुस्से को सोर्स मानना उसकी मदद कर सकता है।

दुख : आलोचनात्मक सोच

इस इमोशन के कई सरप्राइजिंग इफेक्ट्स है। जब हम दुखी होते हैं तो हम डिसीजन मेकिंग में पूर्वाग्रह में रहते हैं। दुख हमें ज्यादा अच्छी सोच और आलोचनात्मक सोच प्रदान करता है। यानी दुख भी एक वास्तविक स्त्रोत हो सकता है।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट की फील्ड में होगी लाखों की कमाई

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इस कोर्स को करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना जरूरी है। कोरोना महामारी के बाद हेल्थ सेक्टर में कई बड़े बदलाव हुए हैं। साथ ही कॅरियर के तौर पर भी कई ऑप्शन सामने आए हैं। बता दें कि पहले नर्सिंग और एमबीबीएस कर मेडिकल सेक्टर में कॅरियर बनाया जा सकता था। लेकिन अब इस सेक्टर में मेडिकल की डिग्री के बिना भी आप अपना कॅरियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक कॅरियर ऑप्शन हॉस्पिटल मैनेजमेंट का है।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इस सेक्टर से जुड़े लोगों के अनुसार, स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं के विस्तार के अलावा हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भी काम बढ़ रहा है। आइए जानते हैं आप कैसे इस सेक्टर में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

जानिए क्या है हॉस्पिटल मैनेजमेंट

बता दें कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के क्षेत्र में आता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इसके अलावा इसका काम यह सुनिश्चित करना है कि हॉस्पिटल आने वाले मरीजों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों को किसी तरह की कोई समस्या ना हो। हॉस्पिटल मैनेजमेंट टीम इन व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने का काम भी करती है।

यहां से करें हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

- अपोलो इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड मैनेजमेंट, कोलकाता
- आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज, पुणे
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
- एम्स, नई दिल्ली

अहम है यह फील्ड

हॉस्पिटल मैनेजमेंट के तहत हॉस्पिटल में चलने वाली कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार ही आता है। किसी भी संचालन में कमी और अस्पताल में होने वाले हादसों की जिम्मेदारी भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट की होती है। एक सर्वे के मुताबिक भारत में साल 2025 तक 10 लाख से ज्यादा हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत होगी।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

कई संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट में बैचलर की डिग्री देते हैं। यह कोर्स 3 साल का होता है। इसके अलावा आप इसमें प्रोफेशनल कोर्स में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान समय में हॉस्पिटल मैनेजमेंट के कोर्स में एमबीए वालों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं प्राइवेट संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स डिप्लोमा सर्टिफिकेट भी देते हैं।

क्वालिफिकेशन

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना आवश्यक होता है। यह कोर्स करने के लिए छात्र के 12वीं में बायोलॉजी में न्यूनतम 50% अंक होने जरूरी है। कुछ शैक्षणिक संस्थान इंटरव्यू और टेस्ट के आधार पर भी इस कोर्स में दाखिला देते हैं।

सैलरी

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उम्मीदवार 40 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का मौका मिलता है। इसके अलावा सरकारी संस्थान में एक से डेढ़ लाख रूपए महीने की सैलरी उठा सकते हैं। समय और अनुभव बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी बढ़ोतरी होती जाएगी।

सकारात्मक के लिए करें ये काम

कई बार हम सकारात्मक सोचने का निर्णय लेते हैं, लेकिन कुछ ही समय में हमारा व्यवहार पहले जैसा हो जाता है। आइए जानें ऐसी पांच बातें, जिनसे हमें हमेशा सकारात्मक रहने में मदद मिलेगी।

जो पाना है, उस पर फोकस

हमारी एक गलती से नकारात्मकता हमारी विचार प्रक्रिया में शामिल हो जाती है और वह है एक ही बात के बारे में बार-बार सोचना। किसी भी चीज का परिणाम क्या होगा, यह सोचकर अपना समय बर्बाद करने से अच्छा है कि हम इस बात पर फोकस करें कि हमें क्या अचीव करना है। इससे हमारा काम बेहतर होगा।

समस्या के साथ सीख

हर समस्या में हमारे लिए एक सीख छिपी होती है और हमें उस सीख को समझकर हमेशा के लिए उसे गांठ बांध लेना चाहिए। हम समस्या से घबराकर नकारात्मक सोचना शुरू कर देते हैं और उल्टे-सीधे कयास लगाते हैं, जिससे समस्या वास्तविकता से ज्यादा बड़ी लगने लगती है। अगर हम सीख को याद रखकर आगे उस पर अमल करें, तो यह हमारे अनुभव को समृद्ध करने का काम करेगा।

खुद की सराहना

दूसरों के अच्छे काम की तारीफ तो हम सब करते हैं, लेकिन अपने किए हुए अच्छे काम पर शायद ही हम खुद को शाबाशी देते हों। छोटी-से-छोटी चीजों को भी अचीव करने पर हमें खुद की सराहना करनी चाहिए। इससे हमारी विचार प्रक्रिया पर काफी सकारात्मक असर पड़ता है।

अपनी क्षमताओं पर विश्वास

खुद की क्षमता पर हमेशा भरोसा रखें। खुद पर से आपका विश्वास जितना डगमगाएगा, आपके जीवन में नकारात्मकता भी उतनी ही बढ़ती जाएगी। इसलिए कभी यह मत सोचिए कि कोई काम आप नहीं कर सकते। हमेशा इस पर फोकस करें कि वह काम आप तय समय में कैसे करेंगे।

अपने रवैये का विश्लेषण

अगर आपको खुद की कोई आदत अच्छी नहीं लगती और न चाहते हुए भी आप बार-बार उसे दोहरते हैं, तो उसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। ऐसे व्यवहार से न सिर्फ हमारे अंदर, बल्कि हमारे आसपास भी नकारात्मकता बढ़ती है और लोग हमसे दूर भागते हैं।

कृति सेनन ने अपने सबसे हॉट रोल के बारे में किया खुलासा

कृति सेनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं हाल ही में कृति ने अभी तक के अपने सबसे हॉट किरदार के बारे में बताया। अभिनेत्री का कहना है कि उनका यह रोल दर्शकों को हैरान कर देगा।

एक खबर के अनुसार, हाल ही में कृति सेनन ने बताया कि 'कॉकटेल 2' में उनका नया लुक दर्शकों को हैरान कर देगा। कृति ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं 'कॉकटेल 2' पहले से काफी अलग दिख रही हूं। यह शायद अब तक का मेरा सबसे हॉट किरदार है।'

किरदार के लिए किसे दिया क्रेडिट

कृति ने फिल्म 'कॉकटेल 2' के डायरेक्टर होमी अदजानिया की तारीफ करते हुए कहा, 'होमी की सौंदर्य समझ बहुत अच्छी है और वह स्वभाव से बहुत कूल हैं। उन्होंने मेरे अंदर एक ऐसा कूल पहलू निकाला है, जिसके बारे में मुझे खुद भी नहीं पता था।'

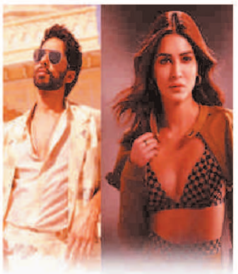

कृति ने क्यों की 'कॉकटेल 2'

कृति ने यह भी बताया कि उन्होंने 'कॉकटेल 2' का ऑफर क्यों स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि उनकी पिछली फिल्म 'तेरे इश्क में' बहुत भावुक थी। इसलिए उन्हें कुछ हल्का-फुल्का और मजेदार काम चाहिए था। जब 'कॉकटेल 2' का ऑफर आया तो उन्होंने तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, 'बस यही वो जगह है, जहां मैं रहना चाहती हूं।' कृति ने आगे कहा कि वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाना पसंद करती हैं।

कब रिलीज हो रही है 'कॉकटेल 2'

'कॉकटेल 2' 2012 की सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होग। यह एक आधुनिक लव ट्रायंगल है, जो दोस्ती और रिश्तों की जटिलताओं को दर्शाता है।

वीएफएक्स नहीं, असली एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं

एक्टर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन 'भूत बंगला' से एक बार फिर हॉरर-कॉमेडी जॉनर में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए उनकी और अक्षय कुमार की हिट जोड़ी 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार है। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है और दर्शक बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं, लेकिन इस बीच अक्षय कुमार ने अपने एक्शन फिल्मों में सीन के शूटिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है।

पूरी तरह रियल फिल्में बनाना चाहता हूं

अक्षय कुमार ने कहा कि आजकल एक्शन फिल्मों को बनाने का तरीका पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां एक्शन सीन असली होते थे, वहीं अब ज्यादातर काम वीएफएक्स के जरिए किया जाता है। उनके मुताबिक, इसमें मजा नहीं आता क्योंकि यह नकली लगता है। अक्षय ने कहा, 'मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जो पूरी तरह रियल हो।' अक्षय, जो कराटे, ताइक्वांडो और कूडो जैसी मार्शल आर्ट्स में ट्रेंड हैं, उन्होंने कहा, 'अगर मैं कूद रहा हूं तो सच में कूद रहा हूं, वीएफएक्स का इस्तेमाल नहीं कर रहा। अगर मैं किक मार रहा हूं तो खुद मार रहा हूं, ऐसा नहीं कि 15 लोग मिलकर किसी को किक मारने में मदद कर रहे हों।'

बिना वीएफएक्स के एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं

उन्होंने आगे कहा, 'मैं बिना वीएफएक्स के एक एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं। मैं ये बात एआई के दौर में कह रहा हूं, लोग जो सोचें सोचें, लेकिन मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जिसमें असली एक्शन हो। दर्शक खुद महसूस कर सकें कि इसमें कितनी मेहनत लगी है, ना कि एआई या कंप्यूटर की मदद से किया गया काम।' बता दें कि भूत बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसे प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं।

बॉलीवुड में काम करने पर क्या बोले नागा चैतन्य

साउथ के अभिनेता नागा चैतन्य अपनी अपकमिंग फिल्म 'वृषकर्मा' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने साउथ के अलावा आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' (2022) में भी काम किया है। हाल ही में उन्होंने बताया कि अपनी पहली हिंदी फिल्म के बाद उन्होंने कोई दूसरी हिंदी फिल्म क्यों साइन नहीं की। एक्टर का यह बेबाक जवाब तब आया है जब फैंस लगातार उनसे बॉलीवुड से उनकी गैरमौजूदगी के बारे में सवाल कर रहे हैं। हिंदी सिनेमा में काम करने को लेकर उन्होंने कहा 'इसका कोई खास कारण नहीं है। यकीनन, मैं नए मौकों के लिए तैयार हूं। बस उस फिल्म के बाद, मैं यहां (साउथ) के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा था। उनमें मेरा काफी समय और मेहनत लगी। इसलिए, मैं हिंदी फिल्मों में काम करने के मौके का इंतजार कर रहा हूं। अपनी पूरी ऊर्जा के साथ वहां फिर से कुछ खास करने की उम्मीद कर रहा हूं।' नागा चैतन्य ने आगे कहा 'अब भाषा कोई रुकावट नहीं रही, दर्शक अलग-अलग भाषाओं की हर तरह की फिल्में देखते हैं। मैं हिंदी फिल्म करने के लिए तैयार हूं, लेकिन वह कुछ ऐसी होनी चाहिए जो मुझे प्रेरित करे।

सोशल मीडिया के दबाव में मत आइए, खुद को अपनाइए

मुंबई एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर दिखने वाले परफेक्ट बॉडी स्टैंडर्ड्स पर अपनी बात रखते हुए बताया है कि किस तरह से सोशल मिडीया का दखल व्यक्तिगत जीवन में बढ़ गया है। साथ ही इस पर कुब्रा ने लोगों को सलाह भी दी है कि इन चीजों के लिए सोशल मीडिया को दोष देने के बजाय खुद के अंदर झांकना चाहिए। इस विषय में कुब्रा कहती हैं, 'असली समस्या सोशल मीडिया नहीं, बल्कि हमारी अपनी असुरक्षाएं हैं। अगर इंसान का आत्मविश्वास मजबूत हो, तो बाहर की चीजें उसे ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकती।' इसके अलावा उन्होंने अपनी बात करते बताया कि वे खुद को फिट रखने पर ध्यान देती हैं, लेकिन किसी तरह के बदलाव का सहारा नहीं लेतीं। हालांकि, वह यह भी मानती हैं कि हर किसी की अपनी पसंद होती है और ऐसे में हर किसी को चाहिए कि वे दूसरों को जज न करें। कुब्रा कहती हैं, 'हर किसी की अपनी जर्नी होती है, अपनी पसंद होती है, इसलिए दूसरों को जज करने या उनसे खुद की तुलना करने की बजाय अपनी लाइफ और अपने सफर पर ध्यान दें।' इन सबके अलावा अपने करियर के बारे में बात करते हुए कुब्रा ने यह भी बताया कि मेहनत और अनुशासन उनके लिए बहुत जरूरी रहे हैं। हालांकि मुंबई आना उनके लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट था, जिससे उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का मौका मिला।

फिल्मों के बाद अब एनीमेशन में 'ताल' ठोकेंगे सुभाष घई

निर्देशक सुभाष घई ने अब प्रोडक्शन क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ा लिया है। दरअसल, उनकी अपनी कंपनी मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड ने फिल्में बनाने के लिए एक बड़ी साझेदारी की है। निर्देशक की कंपनी ने प्रसिद्ध एनीमेशन कंपनी ग्रीन गोल्ड एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। इसके तहत मुक्ता आर्ट्स की नई डिवीजन एसजीएम स्टूडियो ग्रीन गोल्ड के साथ मिलकर एनीमेशन फिल्में और सीरीज बनाएगी। सुभाष घई ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने स्टूडियो का लोगो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'मुक्ता आर्ट्स अब दुनियाभर के सिनेमा के लिए एनिमेशन फिल्में बनाने के नए दौर में कदम रखा रहा है। इसके लिए हमारी नई डिवीजन एसजीएम एनीमेशन स्टूडियो शुरू की गई है, जो प्रसिद्ध कंपनी ग्रीन एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ काम करेगी। निर्देशक ने कंपनी की ग्रीन एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड की प्रसंशा करते हुए कहा कि इस प्रसिद्ध कंपनी ने छोटा भीम जैसे कई सफल प्रोजेक्ट बनाए हैं। उन्होंने लिखा, 'हमें बहुत खुशी है कि हम अपनी भारतीय कहानियों को एनिमेशन के जरिए नई पीढ़ी और परिवारों तक पहुंचाएंगे। इसमें हमारे साथ राजीव चिलाका जी जैसे अनुभवी पार्टनर हैं। छोटा भीम और नरसिम्हा की सफलता ने हमें प्रेरित किया है कि हम अपनी मजबूत कहानियों पर और फिल्में बनाएं। राजीव जी को ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई।'

इस साझेदारी से भारतीय एनीमेशन इंडस्ट्री को नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है। यह सुभाष के करियर का नया अध्याय है। वे पहले भी कई नए कलाकारों को मौका दे चुके हैं। अब एनीमेशन के जरिए वे अपनी फिल्मी विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने जा रहे हैं। इससे पहले भी सुभाष घई ने कई बार एनीमेशन और एआई के बारे में खुलकर बातें की थीं। उन्होंने एक आयोजन के दौरान बातचीत में बताया था कि वे सबसे पहले कौन सी फिल्म निकालेंगे। उन्होंने कहा था, 'मैं सबसे पहले तो अपनी फिल्म कालीचरण को दिखाना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इसकी कहानी बहुत दिलचस्प और मजेदार है और मुझे लगता है कि आज के बच्चों को भी इसकी कहानी जाननी चाहिए। यह ऐसी फिल्म है जिसे थिएटर में भी दिखाया जा सकता है और एनीमेशन के रूप में भी बनाया जा सकता है।' उन्होंने कहा था, 'कहानी की मूल कहानी (प्लॉट) वही रहेगी, लेकिन कलाकार और उसे प्रस्तुत करने का अंदाज अलग होगा।'

हर एक्टर के पास वैकल्पिक इनकम सोर्स होना जरूरी

कभी इंवेस्टमेंट बैंकर बनने का लक्ष्य रखने वाली एक्ट्रेस नेहा हरसोरा अब टेलीविजन जगत का जाना-पहचाना नाम बन चुकी हैं। 'अग्नि वायु', 'थोड़ा सा बादल थोड़ा सा पानी', 'राज महल' और 'ध्रुव तारा' जैसे टीवी शोज ने नेहा को पॉपुलैरिटी दी। मुंबई में पैदा हुई नेहा के माता-पिता गुजरात से हैं। बातचीत में नेहा ने टीवी पर अपने डेब्यू, इंवेस्टमेंट बैंकर की पढ़ाई से इतर इस नए करियर, इसकी चुनौतियों और पढ़ाई की जरूरत पर बात की। नेहा साफ शब?दों में कहती हैं कि वह यह मानती हैं कि हर एक्टर के पास एक वैकल्पिक इनकम या पैशन जरूर होना चाहिए।

आपने एक्टिंग के साथ-साथ अपना ग्रेजुएशन और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कोर्स पूरा भी किया। टीवी के डिमांडिंग करियर के साथ पढ़ाई को कैसे बैलेंस किया? एजुकेशन को आप कितना जरूरी मानती हैं?

मेरे परिवार के लिए पढ़ाई सबसे ज्यादा जरूरी थी। मेरे लिए भी एजुकेशन हमेशा पहली प्राथमिकता रही, क्योंकि बचपन में मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक्टर बनूंगी। मेरे घरवालों ने साफ कहा था कि पहले ग्रेजुएशन पूरा करो, पढ़ाई खत्म करो, उसके बाद जो करना है वो करना। मैंने बी.कॉम किया और उसके बाद इन्वेस्टमेंट बैंकिंग में सर्टिफिकेशन भी पूरा किया। मैं उसी फील्ड में आगे बढ़ने वाली थी पर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। साल 2021 में मुझे 'अग्नि वायु' से एक्टिंग में पहला बड़ा मौका मिला और यह ऐसा पेशा है, जिससे प्यार हो जाता है। फिर भी मुझे लगता है पढ़ाई बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा फील्ड बहुत अनिश्चित है। ऐसे में, एक मजबूत बैकअप होना बहुत जरूरी है। पढ़ाई आपको मुश्किल वक्त से लड़ना सिखाती है और एक विकल्प भी देती है। मैं सच में मानती हूं कि हर कलाकार के पास कोई न कोई वैकल्पिक इनकम या पैशन जरूर होना चाहिए।

आपकी छोटी बहन येशा भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। एक ही इंडस्ट्री में बहन का होना आपके लिए मददगार है या चुनौती?

मेरे लिए यह बिल्कुल भी चुनौती नहीं है, बल्कि मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझे उस पर गर्व है। चूंकि, वह भी इसी फील्ड में है तो मैं उसे अपनी गलतियों से सीखने में मदद कर सकती हूं और उसे वो गलतियां दोहराने से रोक सकती हूं। वहीं, मुझे भी उससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। वह मेरी बहुत बड़ी ताकत रही है। अगर बहन येशा हरसोरा मेरे साथ न होती, तो शायद मैं इतनी कॉन्फिडेंट नहीं होती। जब परिवार साथ देता है तो आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है। वह भी बहुत अच्छा काम कर रही है। लोग जब मुझसे कहते हैं कि येशा बहुत बढ़िया कर रही है तो मुझे बेहद गर्व महसूस होता है। वह इतनी कम उम्र में अपने हमउम्र लोगों से कहीं आगे है।

अभी आपकी छवि एक प्यारी 'गर्ल नेक्स्ट डोर' लड़की की है, लेकिन एक एक्टर को हर तरह के किरदार निभाने पड़ते हैं। बोल्ड रोल या इंटीमेट सीन को लेकर आप कितनी सहज हैं?

हर इंसान की अपनी पसंद और अपना कंफर्ट जोन होता है। किसी के लिए एक्टर बनना ही चुनौती होती है और किसी के लिए हर तरह के रोल के ओपन होना चुनौती बन जाता है। मेरे लिए भी यह एक सीखने की प्रक्रिया है। वैसे, यह जरूरी नहीं है कि अगर मैं बोल्ड रोल करूं या हॉट इमेज बनाऊं तभी मुझे काम मिलेगा या मुझे एक्टर माना जाएगा। इसे लेकर हर किसी का नजरिया अलग होता है। मैंने एक्टिंग इसलिए चुनी क्योंकि मैं इसमें सहज महसूस करती हूं। अगर मुझे लगता है कि मैं कोई चीज अच्छे से कर सकती हूं तो मैं उसमें 150 प्रतिशत देती हूं, लेकिन जो चीज मेरे कंफर्ट जोन से बाहर होती है, उसमें मैं कोशिश जरूर करूंगी पर शायद उतना परफेक्ट न कर पाऊं और मैं किसी भी प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को निराश नहीं करना चाहती।

खुद गुजराती होने के नाते अपने शो 'उड़ने की आशा' में मराठी किरदार निभाने के लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह थोड़ा मुश्किल जरूर था, क्योंकि मेरी मातृभाषा गुजराती है। हालांकि, मैं महाराष्ट्र में ही पैदा हुई, यहीं पली-बढ़ी हूं, लेकिन मेरे ज्यादा दोस्त मराठी बैकग्राउंड से नहीं थे। ऐसे में, जब मैं इस शो का हिस्सा बनी तो मैंने अपने मुंहबोले भाई से मराठी संस्कृति, रीति-रिवाज और त्योहारों के बारे में काफी बातें कीं। वैसे, हमने स्कूल में मराठी पढ़ी है। मराठी संस्कृति की बहुत-सी बातें बिना जाने रोजमर्रा में फॉलो भी करते हैं। जैसे, मुझे मिसल पाव बहुत पसंद है। इस किरदार ने मुझे वो सब करीब से समझने का मौका दिया।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में स्वच्छ भारत मिशन की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की अपेक्स कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की गतिविधियों, वित्तीय वर्ष 2025-26 की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, वित्तीय वर्ष 2026-27 के एक्शन प्लान, स्वच्छता के लिए नवाचार तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) हेतु अंतर्विभागीय अभिसरण पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में अधिकारियों को अपशिष्ट प्रबंधन अधोसंरचना के तहत गांवों में कम्पोस्ट पिट, सोखता गडड्ा और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के लिए ठोस कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत ग्रामों की स्वच्छता के कार्यों की सर्टिफिकेशन ग्राम सभा द्वारा कराया जाना चाहिए।

मुख्य सचिव ने भारत स्वच्छ मिशन के अंतर्गत राज्य के सभी ग्रामों में स्वच्छता के कार्यों को नियमित रूप से कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए है। गांवों के हाट बाजारों में सामूहिक शौचालय का उपयोग एवं स्वच्छता के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसी तरह से आवश्यकतानुसार सामूहिक शौचालय की उपयोगिता एवं रखरखाव सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक स्थलों पर करीब 14 हजार 279 सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया जा चुका है। इसी तरह से वर्ष 2026-27 में 2014 सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक काययीजना के निर्माण के संबंध में व्यापक विचार-विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने इस हेतु देश के अन्य राज्यों में सफल मॉडलों को अपनाने की बात कही। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में प्लास्टिक वेस्ट से सशक्त सड़कों के निर्माण करने की अभिनव एवं सतत पहल की जा रही है। राज्य के बस्तर, महासमुंद, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में प्लास्टिक मिक्स डामर रोड निर्माण किए जा रहे हैं। रोड निर्माण में करीब 3000 किलोग्राम से अधिक प्लास्टिक का उपयोग किया गया है। राज्य में ग्राम पंचायत स्तर पर स्वच्छता, जल प्रबंधन एवं प्रशासनिक व्यवस्था की मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन करने हेतु स्वच्छ पंचायत पोर्टल की शुरूआत की गई है। ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा ग्राम की स्वच्छता, जल एवं प्रशासन की ऑनलाइन प्रविष्टि की जा रही है। सभी ग्रामों की ब्लॉक स्तर, जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर रैंकिंग की जाएगी। इसके लिए सभी ग्रामों की ऑनलाईन एंट्री का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, मिशन संचालक राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अश्वनी देवांगन सहित स्कूल शिक्षा, वित्त, जनसम्पर्क, आवास एवं पर्यावरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, महिला एवं बाल विकास, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, यूनिसेफ के अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

खास खबर

महिला ने किशोर को फंसाया और शारीरिक संबंध बनाया, गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कवर्धा। जिले में एक महिला ने नाबालिग बालक के साथ अनाचार का मामला सामने आया है। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है। पूरा मामला सिटी कोतवाली कबीरधाम क्षेत्र का है। प्रार्थी की शिकायत के मुताबिक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक महिला से उसका परिचय हुआ, जिसके पश्चात बातचीत एवं मुलाकात का क्रम प्रारंभ हुआ एवं दोस्ती हुई।

एक अप्रैल 2026 को आरोपी महिला ने नाबालिग को भोरमदेव रोड स्थित भुनेश्वर होटल बुलाया, जहां उसे भावनात्मक दबाव एवं मानसिक प्रलोभन देकर उसके साथ अनाचार की घटना को अंजाम दिया गया। घटना के पश्चात आरोपी ने प्रार्थी को डराया-धमकाया, जिससे वह मानसिक दबाव में आ गया और तत्काल शिकायत दर्ज नहीं करा सका। बाद में हिम्मत जुटाकर प्रार्थी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। कबीरधाम पुलिस ने बिना विलंब किए अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू की। प्रकरण में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है। प्रकरण में पोक्सो अधिनियम के तहत सख्त वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

तेंदुए की खाल के साथ 9 गिरफ्तार, तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

बलरामपुर। वन विभाग की टीम ने अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तेंदुए की 2 खाल बरामद की गई है। जानकारी के अनुसार, वन मंत्री के निर्देश एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में वन अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो मध्य क्षेत्र भोपाल, राज्य उड़नदस्ता रायपुर और वनमंडल बलरामपुर की संयुक्त टीम ने 2 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की। टीम ने थाना बसंतपुर क्षेत्र के ग्राम जमई मोड़ के पास एक मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर पूछताछ की। तलाशी के दौरान उनके पास से तेन्दुआ की एक खाल बरामद हुई। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर अन्य आरोपियों को भी पकड़ा गया, जिनके पास से एक और खाल जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपी झारखंड, उत्तरप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के निवासी बताए जा रहे हैं, जो अंतरराज्यीय स्तर पर वन्यजीव तस्करी में संलिप्त थे।

कलेक्टर ने कृषि, किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम सूर्यघर योजना पर दिया जोर, दिए कड़े निर्देश

प्रधानमंत्री आवास, बिहान और शिक्षा विभाग की समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने कलेक्टरेट के दिशा सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, सेवाओं और कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को सौंपे गए लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए और कहा कि इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत मास्टर रोल की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को अपूर्ण प्रविष्टियों को शीघ्र पूर्ण करने और पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इसी तरह राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों की समीक्षा की गई। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान पहली से दसवीं कक्षा तक अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के प्रमाण-पत्र बनाए जाने की प्रगति की भी जानकारी ली गई।

बायोमेट्रिक उपस्थिति और लंबित प्रकरणों पर सख्ती

कलेक्टर ने सभी विभागों में अनिवार्य बायोमेट्रिक उपस्थिति की स्थिति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि अधिकारी एवं कमर्चारी समय पर कार्यालय पहुंचकर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करें। उन्होंने कहा कि समय-सीमा की बैठक में लंबित पत्रों और प्रकरणों की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड तथा आयुष्मान वय वंदन कार्ड की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा चिरायु योजना, पोषण पुनर्वास केंद्र, जननी सुरक्षा योजना और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की भी विस्तार से समीक्षा की गई। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक किसानों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत जिले में हो रही प्रगति की भी समीक्षा की गई।

मिशन वात्सल्य और स्वामित्व योजना की प्रगति की समीक्षा

कलेक्टर ने मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की जानकारी ली तथा राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए स्वामित्व योजना के अंतर्गत संपत्ति कार्ड वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की।

लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने के कड़े निर्देश

कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उन्हें सौंपे गए सभी कार्यों और लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि समय-सीमा की बैठकों में इनकी निरंतर समीक्षा की जाएगी और योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर विलंब या उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर ने जिले में जल संरक्षण, संवर्धन और संग्रहण के लिए सभी ग्राम पंचायतों में सोख्ता गड्ढों और रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी ग्रीष्म ऋतु और गिरते भू-जल स्तर को देखते हुए सभी विकासखंडों और ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी शासकीय भवनों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और पंचायत सचिवालयों में अनिवार्य रूप से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किए जाएं तथा हैंडपंपों और सार्वजनिक नलों के पास वैज्ञानिक पद्धति से सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया जाए, जिससे भू-जल स्तर में सुधार हो सके। इसके लिए मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) और 15वें वित्त आयोग के कार्यों के अभिसरण के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित जनगणना कार्य को लेकर भी अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसे सभी संबंधित अधिकारी सर्वोच्च प्राथमिकता और पूर्ण संवेदनशीलता के साथ समय-सीमा में पूरा करें। कलेक्टर ने कहा कि जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही भविष्य की सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाती है, इसलिए डेटा प्रविष्टि और गणना में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मैदानी स्तर पर कार्य करने वाले प्रगणकों को आम नागरिकों से जानकारी लेते समय विनम्र और संवेदनशील व्यवहार रखने के भी निर्देश दिए। बैठक के अंत में कलेक्टर ने कहा कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

सीईओ ने किया जनपद पंचायत बेरला के विभिन्न ग्राम पंचायतों में मनरेगा कार्यों का निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बेमेतरा श्रीमती प्रेमलता पद्माकर ने जनपद पंचायत बेरला के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर मनरेगा कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आजीविका डबरी, रिचार्ज पिट निर्माण, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, आंगनवाड़ी भवन निर्माण, महतारी सदन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती पद्माकर ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर उन्हें जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से रिचार्ज पिट निर्माण और तालाब निर्माण जैसे कार्यों को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया तथा उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित करने का मार्गदर्शन भी दिया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से उनकी वतर्मान आर्थिक स्थिति, आजीविका गतिविधियों और समूह के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए छोटे-छोटे आर्थिक कार्यों को शुरू करने और नियमित रूप से समूह की गतिविधियों को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया गया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने पाया कि मनरेगा के तहत संचालित अधिकांश कार्य संतोषजनक हैं और निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए और योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाया जाए।

इस दौरान दीप्ति मंडावी, मुख्य कायर्पालन अधिकारी जनपद पंचायत बेरला, अरविंद कश्यप कार्यक्रम अधिकारी महात्मा गांधी नरेगा, आसित गोलछा अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित जनपद के विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं। निरीक्षण के माध्यम से प्रशासन ने ग्रामीण विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता सुनिश्चित करने का संदेश दिया।

चेचानमेटा बिरनपुर में अवैध उत्खनन की शिकायत पर खनिज विभाग की जांच

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन की शिकायत मिलने पर खनिज विभाग की टीम ने ग्राम चेचानमेटा (बिरनपुर), तहसील साजा में मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान मौके पर किसी प्रकार का अवैध उत्खनन अथवा अवैध परिवहन होते हुए नहीं पाया गया।

मौके पर मौजूद ग्रामवासियों ने बताया कि जिस स्थान पर गड्ढा दिखाई दे रहा है, वह पूर्व में किया गया उत्खनन है। वहीं राजस्व हल्का पटवारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त उत्खनित क्षेत्र निजी भूमि है, जो महिन्द्रा स्पंज आयरन, नरेश कुमार एवं अन्य के नाम से दर्ज है।

खनिज विभाग द्वारा उक्त उत्खनित क्षेत्र के संबंध में जमीन मालिक को नोटिस जारी करने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संबंधित ग्राम सरपंच को निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में यदि उक्त स्थल पर किसी भी प्रकार का अवैध उत्खनन या परिवहन होता है तो उसकी सूचना तत्काल विभाग को दें। मौके का पंचनामा भी तैयार कर अवलोकनार्थ प्रस्तुत किया गया है।

खनिज विभाग ने जानकारी दी कि विगत दो माह (फरवरी एवं मार्च) में बिना रायल्टी पर्ची के अवैध परिवहन करते पाए जाने पर कुल 35 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत वाहनों को जब्त किया गया तथा वाहन मालिकों पर कुल 8,63,850 रुपये का अर्थदंड वसूल किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 118 प्रकरण, 26.75 लाख रुपये वसूले

पूरे वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान अवैध परिवहन के कुल 118 प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनमें अब तक 26,75,750 रुपये की अथर्दंड राशि वसूली जा चुकी है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

विधायक मूणत ने नवनिर्मित सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पश्चिम विधायक एवं प्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 अंतर्गत माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 के क्षेत्र महादेवघाट में विधायक निधि से 5 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से नवनिर्मित सामुदायिक भवन का फीता काटकर लोकार्पण नगर निगम एमआईसी सदस्य सुमन अशोक पाण्डेय, वार्ड 69 के पार्षद महेन्द्र औसर, नगर निगम जोन 8 कायर्पालन अभियंता अतुल चोपड़ा सहित जोन 8 के अन्य सम्बंधित अधिकारियों, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों सहित करते हुए नगरवासियों को शानदार सौगात दी।

रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने मंच से खेलो इंडिया अभियान हेतु खिलाडियों को प्रोत्साहित करने खेल सुविधायें देने 20 लाख रूपये का स्वेच्छानुदान विधायक निधि से देने की घोषणा की। रायपुर पश्चिम विधायक और प्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने महादेवघाट में 5वीं अखिल भारतीय वालीबाल स्पर्धा का नगर निगम एमआईसी सदस्य सुमन अशोक पाण्डेय, वार्ड 69 के पार्षद महेन्द्र औसर, जोन 8 कायर्पालन अभियंता अतुल चोपड़ा सहित आयोजक हटकेश्वर वालीबाल संघ और मास्टर एसोसिएशन के सैयद अनवर अली और मैक्सीन सहित अन्य पदाधिकारियों, खिलाडियों, खेलप्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति में किया। रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने मैदान में जाकर दोनों टीमों के खिलाडियों का परिचय प्राप्त किया और उन्हें अच्छा खेल प्रदर्शन करने प्रोत्साहित करते हुए आयोजन समिति पदाधिकारियों को 5वीं अखिल भारतीय वालीबाल स्पर्धा के सफल होने हेतु हार्दिक मंगलकामनायें दीं।

विधायक भावना बोहरा ने रायपुर में किया पंडरिया सेवा सदन का भव्य शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

किसी भी जनप्रतिनिधि की असली पहचान केवल विकास कार्यों से नहीं, बल्कि उस संवेदनशीलता से होती है जिसके साथ वह अपने क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में सहभागी बनता है। पंडरिया विधानसभा में इसी भावना को साकार करते हुए विधायक भावना बोहरा द्वारा पंडरिया सेवा सदन की शुरुआत एक ऐसे जनहितकारी प्रयास के रूप में सामने आई है, जो न केवल सुविधा प्रदान करता है, बल्कि मानवीय संवेदना का भी प्रतीक है।

पंडरिया विधानसभा से बड़ी संख्या में मरीज बेहतर उपचार के लिए राजधानी रायपुर का रुख करते हैं। लेकिन इस दौरान उनके साथ आने वाले परिजनों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों के आसपास महंगे ठहरने के विकल्प, भोजन की व्यवस्था और दैनिक जरूरतों को पूरा करना, ये सभी समस्याएं पहले से ही परेशान परिवारों के लिए एक अतिरिक्त बोझ बन जाती थीं। ऐसे समय में आर्थिक दबाव के साथ-साथ मानसिक तनाव भी बढ़ जाता है। इन्हीं चुनौतियों को समझते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने भावना दीदी की गारंटी में किए अपने संकल्प को दोहराते हुए रायपुर के सेक्टर-2 में पंडरिया सेवा सदन जनता को समर्पित किया। यह पहल इस सोच का परिणाम है कि पंडरिया विधानसभा से रायपुर में इलाज के लिए आए किसी भी परिवार को अपने रहने और भोजन की चिंता न करनी पड़े, बल्कि वे पूरी तरह से अपने मरीज के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित कर सकें। इस सेवा का लाभ लेने के लिए मोबाइल नम्बर पर 7747892000 एवं 7747992000 पर संपर्क कर सकते हैं।

भावना बोहरा ने कहा कि आज का दिन मेरे लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण और पंडरिया विधानसभा कमरे परिवारजनों की सेवा के प्रति अपने संकल्प की एक और कड़ी को पूरा करने का विशेष दिन है। भावना दीदी की गारंटी में हमने जनता की सेवा हेतु यह संकल्प किया था और आज उसे पूर्ण होता देख मेरे लिए गर्व और गौरव का विषय है इसके लिए मैं पंडरिया विधानसभा के मेरे परिवारजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ, यह संकल्प आप सभी के विश्वास, सहयोग और मार्गदर्शन से सिद्धि तक पहुंचा है। उन्होंने बताया कि राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर सेक्टर-2 में स्थित यह सेवा सदन पूर्णतः निःशुल्क सुविधा प्रदान करता है। यहां ठहरने के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित कमरे, शुद्ध एवं सात्विक भोजन, स्नान और शौचालय की समुचित व्यवस्था, पर्याप्त जल आपूर्ति, प्रकाश और रात्रि विश्राम के लिए बिस्तर जैसी सभी आवश्यक व रोजमर्रा से जुड़ीं सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह स्थान केवल एक आश्रय स्थल नहीं, बल्कि उन परिवारों के लिए एक भरोसेमंद सहारा है, जो अपने प्रियजनों के उपचार के लिए घर से दूर आते हैं। पंडरिया सेवा सदन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल भौतिक सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मरीजों के परिजनों को मानसिक शांति और भावनात्मक संबल भी प्रदान करेगा। जब किसी कठिन परिस्थिति में व्यक्ति को सहारा मिलता है, तो वह अपने संघर्ष को अधिक मजबूती से लड़ पाता है। यही इस सेवा सदन का मूल उद्देश्य जनता के साथ हर सुख-दुःख में साथ खड़े रहना, उनके कष्ट को कम करना और उन्हें यह एहसास दिलाना कि वे अकेले नहीं हैं।

भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा वासियों की सुविधा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन के लिए किया गया हर संकल्प हमारे लिए सर्वोपरि है। भावना दीदी की गारंटी केवल एक वादा नहीं, बल्कि जनसेवा का अटूट संकल्प है। यह पहल समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों को सहारा देने के साथ-साथ जनकल्याण की भावना को और सशक्त करती है। पंडरिया विधानसभा की जनता ने जिस विश्वास के साथ मुझे सपनी सेवा का अवसर प्रदान किया जनता के उस विश्वास के प्रति हमने निरंतर प्रयास किये हैं चाहे वह बेटियों की शिक्षा के लिए 8 निःशुल्क बस सेवा का संचालन, आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित सहयता के लिए 8 निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा, निःशुल्क मोबाइल हेल्थ पैथ लैब, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग, समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र की स्थापना से आज जनता की हर परिस्थिति में सुविधा मिल रही है। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की बात करें तो 500 किलोमीटर से अधिक की सड़कों का निर्माण, 300 करोड़ से अधिक के बहुप्रतीक्षित सिंचाई परियोजनाएं, पुल-पुलिया निर्माण, स्वच्छता एवं आवास, वनांचल क्षेत्रों में सड़क, बिजली और पानी की पर्याप्त व्यवस्था जैसे अनेकों काम आज गतिमान हैं जिससे पंडरिया विधानसभा की तस्वीर बदल रही है। जनसेवा और विकास इसी लक्ष्य के साथ हम निरन्तर अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहें हैं और आने वाले समय में जनहित व क्षेत्र के विकास से जुड़े हर कार्य निरन्तर जारी रहेंगे।

ई-चालान की अधिक जुर्माना राशि लेने से जनता त्रस्त , कांग्रेस ने आरटीओ अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

यातायात नियमों के नाम पर ई-चालान के माध्यम से आम नागरिकों पर डाली जा रही अत्यधिक जुर्माना राशि के विरोध में दुर्ग शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने आरटीओ अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर व्यवस्था में राहत और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान महंगाई के दौर में गरीब, मजदूर, छात्र, नौकरीपेशा और मध्यमवर्गीय परिवार पहले से ही आर्थिक दबाव झेल रहे हैं। ऐसे समय में 2000 से 5000 तक के ई-चालान आमजन की परेशानियों को और बढ़ा रहे हैं। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा आवश्यक है, लेकिन छोटी-छोटी त्रुटियों पर इतनी बड़ी दंडात्मक राशि उचित नहीं है। कांग्रेसजनों ने यह भी बताया कि इससे पूर्व इसी विषय को लेकर दुर्ग के एसएसपी से भी विस्तृत चर्चा की जा चुकी है, जहां आम नागरिकों को राहत देने की मांग रखी गई थी।

इस अवसर पर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि, यातायात नियमों का पालन जरूरी है, लेकिन नियमों के साथ संवेदनशीलता भी उतनी ही जरूरी है। वर्तमान समय में भारी ई-चालान गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आर्थिक संकट का कारण बन रहे हैं। पहली बार गलती करने वालों को चेतावनी, छोटे उल्लंघनों पर न्यूनतम दंड और तकनीकी त्रुटियों की समीक्षा जैसी व्यवस्था लागू होनी चाहिए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

ज्ञापन में विशेष रूप से यह मुद्दा भी उठाया गया कि पुलगांव चौक में लगे कैमरे से आसपास के निवासी एवं अंजोरा, पुलगांव, अंडा और गंजपारा से आने-जाने वाले नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार छोटी तकनीकी त्रुटियों, सिग्नल की अस्पष्टता अथवा ट्रैफिक के दबाव में भी ई-चालान जारी हो रहे हैं, जिससे आम लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। कांग्रेस ने मांग की कि इस क्षेत्र के कैमरों की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर नागरिकों को राहत दी जाए। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज को प्रशासन तक लगातार पहुंचाती रहेगी और यदि इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो जनहित में व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, रायसिंह ढिकोला, राजेश यादव, अल्ताफ अहमद, देवश्री साहू, आनंद ताम्रकार, गुरदीप भाटिया, अजय शर्मा, कौशल किशोर सिंह, प्रेमलता साहू, दुष्यंत देवांगन, पोषण साहू, नंदकिशोर शर्मा, मुकेश साहू, राहुल शर्मा, खुर्शीद अहमद, विनोद सेन, भीम सेन, राजकुमार वर्मा, संजय बत्रा, त्रिशरण डोंगरे, देव सिन्हा, प्रकाश जोशी, निकिता मिलिंद, विमल यादव, अनूप वर्मा, गौरव उमरे, गणेश सोनी, आयुष शर्मा एवं राकेश साहू , राजा बघेल सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

दुकानदारों को चेतावनी, सड़क व नाली पर सामान रखने पर होगी जप्ती कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार निगम सीमा अंतर्गत शहर के प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में इंदिरा मार्केट, पटवा लाइन सहित अन्य प्रमुख बाजार क्षेत्रों में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया।

अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार के नेतृत्व में निगम की अतिक्रमण टीम द्वारा बाजार क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनेक दुकानदारों द्वारा अपने दुकान का सामान दुकान के बाहर नाली के ऊपर एवं सड़कों पर अव्यवस्थित रूप से रखे जाने की स्थिति पाई गई, जिससे आम नागरिकों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी।

निगम प्रशासन द्वारा सभी संबंधित दुकानदारों को सख्त चेतावनी देते हुए निर्देशित किया गया कि वे अपना समस्त सामान अपने-अपने दुकानों के अंदर ही रखें तथा किसी भी प्रकार से सड़क, नाली अथवा सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें। साथ ही दुकान के बाहर अनधिकृत रूप से साइन बोर्ड लगाने पर भी प्रतिबंध लगाने की बात कही गई।

अतिक्रमण अधिकारी ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि यदि आगामी निरीक्षण के दौरान किसी भी दुकान का सामान सड़क या नाली पर रखा हुआ पाया जाता है, तो संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध जब्ती की कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम दुर्ग द्वारा यह अभियान शहर में सुगम यातायात, स्वच्छता व्यवस्था एवं आमजन की सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार जारी रहेगा।

महिला सशक्तिकरण और सामाजिक एकजुटता को मिलेगा नया आयाम

खैरागढ़ में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांगना इकाई का गठन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

सामाजिक समरसता और महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करने की दिशा में खैरागढ़ में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। खैरागढ़ राजपरिवार की क्षत्राणियों द्वारा अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांगना की स्थानीय इकाई का विधिवत गठन किया गया। कार्यक्रम में संगठन की प्रदेश उपाध्यक्ष शीला सिंह गहरवार की विशेष उपस्थिति रही। जिनके मार्गदर्शन में नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

राजकुमारी शताक्षी अध्यक्ष, दीपाली-क्षिप्रा सचिव और पूनम-श्वेता बनी कोषाध्यक्ष

नवर्निवाचित पदाधिकारियों में खैरागढ़ राज परिवार की राजकुमारी शताक्षी सिंह को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। वहीं अपने तेज तर्रार तेवर के लिए जाने जाने वाली राज परिवार की मयूरी सिंह को संरक्षक बनाया गया है,साथ ही राज परिवार में अलग-अलग सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रही महिलाओं को संगठन में सुनियोजित स्थान दिया गया है ।। जिनमें प्रियंका एवं अचर्ना को उपाध्यक्ष, दीपाली सिंह एवं क्षिप्रा सिंह को सचिव तथा पूनम एवं स्वेता सिंह को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया । वहीं मीडिया प्रभारी के रूप में शिखा सिंह एवं नीलिमा सिंह को महती जिम्मेदारी दी गई है।। कायर्कारिणी में सामाजिक रूप से सक्रिय ममता सिंह, आयुषी सिंह, रोमा सिंह, श्रृंखला सिंह, किरण सिंह, रुपाली सिंह, अनिता सिंह, हेमलता सिंह, मंजु सिंह, विधा सिंह, खुशबू सिंह, आरती सिंह, स्वाति सिंह, भावना सिंह, मधुलिका सिंह, जया सिंह, पूजा सिंह, मेघा सिंह, आर्या सिंह, नीलू सिंह, दीपिका सिंह, रोशनी सिंह, ज्योति सिंह, कनिष्का सिंह एवं नेहा सिंह को सदस्य के रूप में शामिल किया गया। संगठन के विस्तार एवं मनोनयन के अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने समाज में एकता को मजबूत करने, संस्कृति संरक्षण को बढ़ावा देने तथा महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संगठित रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में जय राजपूताना के जयघोष के साथ सम्पन्न हुआ।।

सेवानिवृत्त 8 कर्मचारियों को निगम ने दी ससम्मान विदाई

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में आज मुख्य कार्यालय सभागार कक्ष में सेवानिवृत्त होने वाले 8 कमर्चारियों को ससम्मान विदाई दी गई। निगम प्रशासन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर उनके सेवाकाल में किये गये कार्यो की सराहना की गई।

इस अवसर पर निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देशानुसार उपायुक्त डी के कोसरिया एवं सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त कर्मियों के योगदान को याद करते हुए उनके उज्जवल भविष्य, अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम में भावुक माहौल देखने को मिला, जहां सहकर्मियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। सेवानिवृत्त होने वाले मुख्य अभियंता भागीरथ वर्मा, सहायक ग्रेड-02 उत्तम कुमार साहू, कारपेन्टर अनुरूद्व सिंह यादव, सहायक मिस्त्री जंगली, सफाई कामगार जी चिनैया, जोहरिक राम, गरीबा राम देवांगन एवं बेदलाल टंडन हैं।

उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण से ही निगम की कार्यप्रणाली मजबूत होती है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के दीर्ध सेवाकाल की सराहना करते हुए अनके आगामी जीवन के लिए मंगलकामनाएं एवं शुभकामनाएं दीं। विदाई समारोह में निगम के उद्यान सह जनसंपर्क अधिकारी तिलेश्वर साहू, सहायक अधीक्षक शालिनी गुरव, शशिभूषण मोहंती, वामन राव, राज सच्चर, नवीन साहू, उन्मेश साहू, शंकर साहनी, दशरथ ध्रुव, हेमचंद्र बंजारे, सेवानिवृत्त कर्मचारी श्रवण ठाकुर सहित निगम कर्मचारी एवं संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शीतला मंदिर विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या, गांव में दहशत

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

जिले के डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बटेरा के आश्रित ग्राम जोगीभाठ में शीतला मंदिर को लेकर हुई बैठक के दौरान बड़ा विवाद सामने आया। विवाद इतना भड़क गया कि मध्यस्थता करने आए युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव और दहशत का माहौल है।

पुलिस ने मृतक की पहचान कुणाल देशमुख के रूप में की है, जो उप सरपंच डोमेन्द्र देशमुख के भतीजे थे। जानकारी के अनुसार, बीती रात शीतला मंदिर से जुड़े मुद्दे पर गांव में बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान उप सरपंच और अन्य ग्रामीणों के बीच कहासुनी हुई, जो जल्दी ही हिंसक झड़प में बदल गई। स्थिति को शांत कराने के प्रयास में

मृतक कुणाल देशमुख

आए कुणाल देशमुख पर गांव के ही सोहनलाल साहू ने चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल कुणाल को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी सोहनलाल साहू समेत 5 लोगों को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि मामले की बारीकी से जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य आरोपी की पहचान, कई पर आरोप घटना में गांव के ही युवक सोहन साहू द्वारा चाकू मारने की पुष्टि हुई है, जो पूर्व सरपंच बेदलाल साहू का बेटा बताया जा रहा है। इसके अलावा बेदलाल साहू, परमेश्वर देशमुख, लोकनाथ यादव, टूमन, प्रमोद देशमुख, देवेंद्र देशमुख, सत्यम, भोज कोठारी, झग्गर देशमुख, चीमन देशमुख और कोटवार टोमन साहू पर भी विवाद बढ़ाने और हत्या में शामिल होने के आरोप उपसरपंच ने लगाए हैं।

पुलिस जांच जारी, कई संदेही हिरासत में फिलहाल पुलिस ने मामले में आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन मुख्य आरोपी की पुष्टि की जा चुकी है। अन्य आरोपियों से पूछताछ जारी है, सबूत जुटाने की प्रक्रिया चल रही है और गांव में दहशत, कानून व्यवस्था पर सवाल इस घटना के बाट परे गांव में भय का माहौल है।

फर्जी इंस्टाग्राम आईडी : महिला की फोटो से छेड़छाड़ कर अभद्र चैटिंग कर धमकी देने वाला हुआ गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिले में सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाओं को निशाना बनाकर अपराध करने वाले एक आरोपी को दुर्ग पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर महिला की फोटो से छेड़छाड़ कर उसे वायरल करने के साथ ही अभद्र चैटिंग कर धमकी दी थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई ऑपरेशन विश्वास के तहत की गई, जिसके अंतर्गत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिलाओं के विरुद्ध हो रहे साइबर अपराधों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। 15 मार्च 2026 को पीड़िता ने थाना उतई में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि एक अज्ञात व्यक्ति ने इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर उसे फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी और बाद में व्हाट्सएप के जरिए अश्लील फोटो भेजकर उसे वायरल करने की धमकी दी।

आरोपी ने महिला की फोटो के साथ आपत्तिजनक सामग्री जोड़कर इंस्टाग्राम स्टोरी और मैसेज के माध्यम से प्रसारित भी किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों, विशेष रूप से सीडीआर के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर ग्राम कोहगाटोला, थाना कोतवाली बालोद से आरोपी राधेलाल महरा उर्फ राजा (26 वर्ष) को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने तीन अलग-अलग फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर यह अपराध करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन एवं चैटिंग से संबंधित साक्ष्य जब्त किए हैं। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

इस कार्रवाई में थाना उतई के निरीक्षक महेश ध्रुव, उप निरीक्षक प्रमोद सिन्हा, आरक्षक महेश यादव और आरक्षक राजीव दुबे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया का उपयोग सावधानीपूर्वक करें और किसी भी प्रकार की संदिग्ध या आपत्तिजनक गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। महिलाओं की गरिमा से जुड़े मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

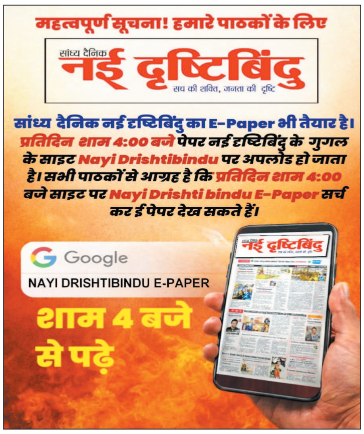

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100